दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 301

ग्वालियर, गुरुवार 21 जुलाई 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

महंगाई पर विपक्ष ने किया हंगामा, दिन भर के लिए स्थगित करनी पड़ी राज्यसभा की कार्यवाही

नई दिल्ली। महंगाई और कुछ अन्य मुद्दों पर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों के भारी हंगामे के कारण बुधवार को भी राज्यसभा की कार्रवाई ठीक से नहीं चल सकी। राज्यसभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे की वजह से राज्यसभा में बुधवार को भी शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं हो पाया।

राज्यसभा की कार्यवाही बुधवार को 15 मिनट भी ठीक से नहीं चल सकी। विपक्षी सदस्यों के भारी हंगामे की वजह से एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे जब सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू की गई तो विपक्षी दलों के सदस्यों ने महंगाई और कुछ आवश्यक वस्तुओं पर हाल में लगाए गए माल एवं सेवा कर

(जीएसटी) के मुद्दे पर हंगामा शुरु कर दिया। विपक्षी सदस्य इस मुद्दे पर तत्काल चर्चा कराए जाने की मांग कर रहे थे। उपसभापति हरिवंश ने हंगामे के बीच ही सामूहिक संहार के आयुध और उनकी परिदान प्रणाली विधेयक पर चर्चा की शुरुआत कराने की कोशिश की और इसके तहत उन्होंने कांग्रेस के शक्ति सिंह गोहिल का नाम पुकारा। लेकिन इसी दौरान कुछ विपक्षी सदस्य आसन के निकट आकर हंगामा और नारेबाजी करने लगे। गोहिल चूंकि हंगामा कर रहे सदस्यों के साथ थे, लिहाजा उपसभापति ने चर्चा में भाग लेने के लिए द्रविड़ मुनेत्र कणगम सदस्य पी विल्सन का नाम पुकारा। विल्सन ने कहा कि वह इस विधेयक पर बोलना चाहते हैं उन्होंने कहा कि लेकिन बोलने से पहले सदन में व्यवस्था बहाल की जानी चाहिए। हरिवंश ने हंगामा कर रहे सदस्यों से अपनी सीट पर लौटने और चर्चा में हिस्सा लेने का आग्रह किया, लेकिन विपक्षी सदस्यों पर इसका कुछ भी असर नहीं हुआ। उन्होंने कहा अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता के तहत यह विधेयक लाया गया है और यह देशहित में है। इसके बावजूद सदस्यों का हंगामा जारी रहा और उन्होंने दो बज कर चार मिनट पर सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले, सुबह सदन की कार्यवाही आरंभ होने पर मनोनीत सदस्य और प्रख्यात एथलीट पीटी ऊषा ने राज्यसभा की सदस्यता की शपथ ली। इसके बाद सभापति एम वेंकैया नायडू ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए। इसी बीच, विपक्षी सदस्य अपने-अपने मुद्दे उठाने के लिए हंगामा करने लगे। सभापति ने विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को अपनी बात रखने का मौका दिया।

असम में कोरोना संक्रमण के 755 नए मामले, तीन मरीजों की मौत

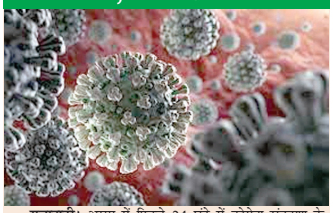

गुवाहाटी। असम में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 755 नए मामले सामने आए और तीन मरीजों की मौत हुई। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की ओर से जारी बुलेटिन में इसकी जानकारी दी गई। इसके साथ ही राज्य में संक्रमण के मामलों की संख्या बढ़कर 7,31,662 हो गई है। बुलेटिन में कहा गया कि 7,121 नमूनों की जांच में संक्रमण के नए मामलों का पता चला। असम में कोरोना संक्रमण की दर 10.60 प्रतिशत है। राज्य में कोरोना से अब तक 6,654 मरीजों की मौत हो चुकी है। वर्तमान में 4,858 मरीज उपचाराधीन हैं। संक्रमण से उबर चुके 303 मरीजों को अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई। अब तक राज्य में 7,18,798 मरीज संक्रमणमुक्त हो चुके हैं। इसमें बताया गया है कि राज्य में अब तक लोगों को कोविड रोधी टीके की 4,74,11,258 खुराक दी जा चुकी हैं।

राहुल गांधी राजनैतिक रुप से अनुपयोगी हो सकते हैं, लेकिन विधायिका के कामकाज पर अंकुश नहीं लगाए: स्मृति ईरानी

नई दिल्ली। महंगाई के मुद्दे को लेकर विपक्ष के विरोध के चलते संसद की कार्यवाही बाधित होने से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधकर कहा कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ''राजनीतिक रुप से अनुपयोगी'' हो सकते हैं, लेकिन उन्हें विधायिका के कामकाज पर अंकुश लगाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। संसद का मानसून सत्र सोमवार से शुरू हुआ है, लेकिन कुछ खाद्य पदार्थों पर जीएसटी लगाने और बढ़ती महंगाई जैसे मुद्दों पर कांग्रेस सहित विपक्षी सदस्यों के विरोध के चलते दोनों सदनों में अब तक कामकाज सुचारू रूप से नहीं हो सका है। सरकार और विपक्ष दोनों ने एक दूसरे पर देश से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा से बचने का

आरोप लगाया है। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी पर निशाना साधकर कहा कि अपने राजनीतिक जीवन में गांधी पूर्व में भी संसदीय कार्यवाहियों और परंपरा के प्रति असम्मान दिखा चुके हैं और अब वह लोकसभा कामकाज पर भी अंकुश लगाने पर अड़े हैं। ईरानी ने कहा कि वर्ष 2004 से 2019 के बीच अमेठी के सांसद के तौर पर राहुल गांधी ने संसद में एक भी प्रश्न नहीं उठाया और जब उन्होंने संसदीय क्षेत्र को ''छोड़'' दिया और वायनाड़ के सांसद बन गए तब लोकसभा में 2019 में शीतकालीन सत्र में उनकी उपस्थिति 40 प्रतिशत से भी कम थी। वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में अमेठी से राहुल गांधी को हरा चुकीं ईरानी ने आरोप लगाया कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने सदन में कभी कोई निजी विधेयक भी पेश नहीं किया। केंद्रीय मंत्री ईरानी ने राहुल की विदेश यात्राओं पर भी कटाक्ष कर कहा कि यह उनकी अपनी ही पार्टी में चिंता का विषय बन गया है। उन्होंने कहा ''अपने राजनीतिक जीवन में गांधी पूर्व में भी संसदीय कार्यवाहियों और परंपरा के प्रति असम्मान दिखा चुके हैं और अब वह यह सुनिचित करने के लिए स्वयं को समर्पित कर चुके हैं कि न तो संसदीय कार्यवाही हो और न ही कोई बहस हो।''

मोदी सरकार ने सदन को बताया, पिछले 5 सालों में हर माह सेना के औसतन 8 जवानों ने आत्महत्या की

नई दिल्ली। पिछले 5 सालों में हर माह सशस्त्र बलों के औसतन 8 जवानों ने आत्महत्या की है। इसकी जानकारी मोदी सरकार ने लोकसभा में दी है। मोदी सरकार की तरफ से जानकारी दी गई कि पिछले पांच सालों में कम से कम 819 जवानों ने आत्महत्या जैसा कठोर कदम उठाया है, जबकि मुद्दे के समाधान के लिए कई कदम उठाए गए हैं। रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित जवाब में कहा कि पिछले 5 सालों में आर्मी ने आत्महत्या के कारण अपने 642 सैनिकों को खो दिया है, जबकि भारतीय वायुसेना में यह संख्या 148 और नौसेना में 29 है। गंभीर मुद्दे को हल करने के लिए उठाए गए कदमों पर अजय भट्ट ने कहा है कि सशस्त्र बलों में तनाव और आत्महत्या के मैनेजमेंट के लिए तनाव कम करने वाले मैकेनिज्म में सुधार के लिए लगातार उपाय विकसित किए जा रहे हैं। इसके लिए एक विस्तृत मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम तैयार किया गया है और यह कार्यक्रम 2009 से चालू है, जो जवान तनाव से गुजर रहे होते हैं, उनकी पहचान की जाती है। इसके साथ ही निर्धारित

प्रक्रियाओं के अनुसार यूनिट कमांडिंग ऑफिसर, रेजिमेंटल मेडिकल ऑफिसर और जूनियर ऑफिसर द्वारा उनकी काउंसलिंग की जाती है। रक्षा मंत्रालय के थिंक टैंक द युनाइटेड सर्विस इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (यूएसआई) ने साल की स्टडी के बाद पिछले साल एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि काउंटर इनसरजेंसी और काउंटर टेररिज्म के माहौल के अलावा नॉन-ऑपरेशनल स्ट्रेस सेना के जवानों में बहुत ज्यादा है। ऑपरेशनल स्ट्रेस जहां प्रोफेशन का हिस्सा है, वहीं नॉन ऑपरेशनल स्ट्रेस से बचा जा सकता है।

खास खबर

पाकिस्तान यात्रा पर आई अमेरिकी महिला के साथ गैंगरेप

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में दो लोगों ने एक 21 वर्षीय अमेरिकी महिला के साथ सामूहिक बलात्कार किया। पुलिस ने बताया कि यह घटना यहां से 500 किलोमीटर दूर डीजी खान जिले के हिल स्टेशन फोर्ट मुनरो के एक होटल में 17 जुलाई को उस समय घटित हुई, जब अमेरिका निवासी पीड़िता अपने सोशल मीडिया दोस्तों मुज़मिल सिप्रा और अज़ान खोसा के साथ एक व्लॉग बनाने के लिए उस जगह पर गई थी। डीजी खान के उपायुक्त अनवर बरियार ने बताया कि अमेरिकी लड़की अपने सोशल मीडिया मित्र मुजमल सिप्रा के निमंत्रण पर कराची से फोर्ट मुनरो आई थी पुलिस अधिकारी के मुताबिक, पाकिस्तान में पर्यटक वीजा पर आई महिला पिछले सात महीने से देश में रह रही थी। उन्होंने बताया कि इस मामले में रिपोर्ट लिख ली गई है और पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

सौदें में ट्वीटर को फंसकर ग्रीस में मौज मस्ती कर रहे एलन मस्क

वाशिंगटन। जेब में पैसा हो तब इंसान कुछ भी कर सकता है। कहीं भी घूम सकता है, मजे कर सकता है। यदि वह इंसान दुनिया का सबसे बड़ा रईस हो तब कहने ही क्या। हम बात कर रहे हैं एलन मस्क की। हाल ही में उन्हें ग्रीस में मस्ती करते हुए देखा गया है। मस्क ग्रीस में लग्जरी याट पर धूप का लुत्फ ले रहे हैं। वे समुद्र में तैरते हुए कॉकटेल का मजा ले रहे हैं। यह तस्वीर उस वक्त में सामने आई है जब मस्क और ट्विटर के बीच एक कानूनी लड़ाई चल रही है। मस्क ने माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर को 44 बिलियन डॉलर में खरीदने की प्रक्रिया लगभग पूरी होने से पहले अपने हाथ पीछे खींच लिया है। इस मौज-मस्ती की उनकी एक तस्वीर ट्वीट की और वह देखते ही देखते वायरल हो गई। उन्होंने खुद ट्वीट कर लिखा, हाहा, मुझे अपनी शर्ट अक्सर उतारते रहना चाहिए, फ़ी द निप!! वैसे बता दूं कि फिर से फैक्टरी में लौट आया हूं। मस्क को ट्वीटर द्वारा किए गए कानूनी मुकदमे की जरा-सी भी टेंशन नहीं है। वे इसके बारे में बिलकुल भी चिंतित नजर नहीं आते। बता दें कि ट्विटर और मस्क के बीच चल रहे मामले की सुनवाई शुरू हो चुकी है। ट्वीटर मामले को जल्द निपटाने की कोशिश कर रहा है तो मस्क चाहते हैं कि यह केस लंबा खिंचे। मस्?क ने कोर्ट से मामले का ट्रायल फरवरी में शुरू करने की मांग की है, जबकि ट्विटर ने कोर्ट से मांग की है कि ट्रायल सितंबर से ही शुरू हो जाना चाहिए, ताकि यह समझौता बरकरार रह सके।

यूरोप में कोरोना संक्रमण के मामले तीन गुणा बढ़े

लंदन। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि पिछले 6 हफ्तों में पूरे यूरोप में कोरोना वायरस के मामलों में 3 गुना वृद्धि हुई है, जो वैश्विक स्तर पर संक्रमण के सभी मामलों का लगभग आधा है। इस दौरान, अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या भी दोगुना हो गई है, हालांकि आईसीयू में इस समय कम मरीज हैं। डब्ल्यूएचओ के यूरोप निदेशक डॉ हैंस क्लूज ने एक बयान में कोविड-19 को भयानक और संभावित घातक बीमारी के रूप में वर्णित किया है, जिसे लोगों को कम करके नहीं आंकना चाहिए। उन्होंने कहा कि ओमीक्रोन के ज्यादा संक्रामक उपस्वरूप पूरे महाद्वीप में बीमारी की नई लहरें पैदा कर रही हैं और यह बार-बार संक्रमण संभावित रूप से लंबे समय तक कोविड का कारण बन सकता है। क्लूज ने कहा कि मामलों में बढ़ोतरी के साथ अस्पताल में मरीजों के भर्ती होने की दर भी बढ़ रही है।

उत्तराखंड में बारिश को लेकर रेड अलर्ट, पुल की शटरिंग पलटने से दो मजदूरों की मौत

देहरादून। उत्तराखंड के रूद्रप्रयाग जिले में एक निर्माणाधीन पुल की शटरिंग पलट जाने से वहां काम कर रहे दो मजदूरों की मृत्यु हुई। जबकि मौसम विभाग की तरफ से बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। बारिश को लेकर रेड अलर्ट के मद्देनजर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य आपदा नियंत्रण कक्ष जाकर स्वयं तैयारियों का जायजा लिया। प्रदेश में अनेक स्थानों पर लगातार हो रही बारिश से दर्जनों स्थानों पर भूस्खलन हुआ जिससे कई मार्ग यातायात के लिए अवरूद्ध हो गए और सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। बारिश के रेड अलर्ट को देखकर अत्यधिक बारिश की संभावना वाले जिलों में स्कूलों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों में छुट्टी दे दी गई है। बारिश के बीच ऋषिकेश-बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रूद्रप्रयाग जिले के नरकोटा क्षेत्र में एक निर्माणाधीन पुल की शटरिंग (लोहे का जाल) टूटने से उसके नीचे दबकर दो मजदूरों की मृत्यु हो गई तथा छह अन्य घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) की टीम मौके पर पहुंचकर तलाश एवं बचाव अभियान चलाया। बचावकर्मियों ने कटर की मदद से लोहे का जाल काटकर मजदूरों को बाहर निकाला। रुद्रप्रयाग के

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह परिहार ने बताया कि शटरिंग की लोहे की ?सरिया के नीचे दबे दो मजदूरों के शव बरामद किए गए हैं। घायल अवस्था में निकाले गए छह मजदूरों को रूद्रप्रयाग के जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। रुद्रप्रयाग और श्रीनगर के बीच चारधाम 'आल वेदर रोड' परियोजना के तहत नया पुल बन रहा है, पुल के खंभों के लिए वहां लोहे की सरिया का जाल तैयार करने के दौरान यह हादसा हुआ। घटना के बाद रूद्रप्रयाग के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने घटनास्थल का दौरा कर कहा कि निर्माणाधीन पुल के क्षतिग्रस्त होने की उच्चस्तरीय जांच कराने के साथ ही कार्य करा रही एजेंसी के अधिकारियों के खिलाफ ?आवश्यक कार्रवाई होगी। मौसम विभाग ने प्रदेश के 13 में से नौ जिलों के लिए बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। देहरादून, टिहरी, पौड़ी, नैनीताल, चंपावत, उधमसिंह नगर, हरिद्वार, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों के कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जाहिर की गई है। प्रदेश के ज्यादातर स्थानों पर बारिश होने की सूचना है जहां पिछले 24 घंटों के दौरान हल्द्वानी में 154 मिमी, लोती में 151 मिमी, डीडीहाट में 115.50 मिमी, कोटद्वार में 91 मिमी, देहरादून के करनपुर में 85.50 मिमी, जौलीग्रांट में 80.40 मिमी, सहसपुर में 72 मिमी, धारचूला में 69.20 मिमी बारिश दर्ज की गयी।

आजम खान को योगी सरकार का एक और झटका

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के विधायक और गद्यावर नेता आजम खान की मुश्किलें कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। एक के बाद एक केस झेल रहे आजम खान से अब जौहर रिसर्च सेंटर भी वापस लेने की तैयारी हो रही है। जानकारी के मुताबिक आजम खान ने समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान 100

रुपये प्रति साल की दर से 33 साल की लीज पर शोध संस्थान लिया था। आरोप है कि आजम खान ने शोध संस्थान ना बनाकर यहां रामपुर पब्लिक स्कूल खुलवा दिया। इस मामले में योगी सरकार ने साल 2018 में एसआईटी की जांच बिठाई थी। एसआईटी जांच की रिपोर्ट के आधार पर अब कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के मुताबिक एसआईटी टीम ने 31 जनवरी 2020 को अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी। एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट में सरकारी शोध संस्थान की लीज को सस्पेंड करने और भवन निर्माण का ऑडिट कराने की सिफारिश की थी। गौरतलब है कि आजम खान के खिलाफ जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भी केस चल रहा है। यही नहीं, उनकी पत्नी और बेटे अब्दुल्ला आजम खान को भी ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया है। आजम खान और उनके परिवार के खिलाफ साल 2019 में कई केस दर्ज किए गए थे। आजम खान के खिलाफ 88 मुकदमें चल रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने उप्र में दर्ज सभी मामलों में मोहम्मद जुबैर को जमानत दी

यूपी सरकार द्वारा गठित एसआईटी को समाप्त करने के निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक न्यूज चैनल के सह-संस्थापक मोहम्मद जुबैर को कथित अपमानजनक ट्वीट को लेकर यूपी में दर्ज सभी मामलों में बुधवार को जमानत दे दी। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि अगर उनके खिलाफ इसी तरह की कार्रवाई के लिए कोई अन्य प्राथमिकी दर्ज की जाती है, तब उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया जाएगा। पीठ ने मोहम्मद जुबैर के खिलाफ दर्ज प्राथमिकियों की जांच के लिए योगी सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) को समाप्त करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति ए.एस. बोपन्ना की पीठ ने कहा कि राजधानी की पटियाला हाउस अदालत में मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट के समक्ष 20,000 रुपये का एक मुचलका (जमानत बॉंड) जमा करने के बाद जुबैर को उत्तर प्रदेश में दर्ज सभी मामलों में जमानत पर रिहा किया जाएगा। उच्चतम न्यायालय ने धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप में जुबैर के खिलाफ उत्तर प्रदेश में दर्ज सभी मामलों को दिल्ली पुलिस को जांच के लिए सौंप दिया और उन्हें दिल्ली पुलिस के एक विशेष प्रकोष्ठ द्वारा दर्ज की गई मौजूदा प्राथमिकी के साथ जोड़ दिया।

हम किसी पत्रकार को कैसे कह दें कि लिखो मत...,

मोहम्मद जुबैर को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने उनके खिलाफ दर्ज सभी 6 एफआईआर के मामलों में उन्हें अंतरिम जमानत दे दी है। इसके अलावा सभी एफआईआर को एक साथ क्लब करने का भी आदेश दिया है। इसके साथ ही, जुबैर की जेल से रिहाई का रास्ता साफ हो गया है, क्योंकि दिल्ली में दर्ज एफआईआर के मामले में उन्हें पहले ही जमानत मिल चुकी थी। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि बेल बॉन्ड भरा जाए और शाम 6 बजे तक जुबैर की रिहाई हो। उन्हें 27 जून को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। सुनवाई के दौरान जस्टिस चंद्रचूड़ ने पूछा, अगर कानून के खिलाफ कोई ट्वीट हो, तब वह जवाबदेह हो सकता है। कोई अग्रिम आदेश कैसे पास किया जा सकता

होटलों-रेस्तरां में सेवा शुल्क वसूलने पर प्रतिबंध संबंधी निर्देशों पर दिल्ली हाईकोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने उन हालिया दिशा-निर्देशों पर बुधवार को रोक लगा दी है, जिनमें होटलों और रेस्तरां के सेवा शुल्क वसूलने पर प्रतिबंध लगाया गया था। न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) के 4 जुलाई के निर्देशों के विरुद्ध दायर भारतीय राष्ट्रीय रेस्तरां संघ (एनआरएआई) और भारतीय होटल एवं

रेस्तरां संघ की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा कि यह एक ऐसा मसला है, जिस पर विचार किया जाना चाहिए। अदालत ने प्राधिकारियों को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि इस मामले पर विचार किए जाने की जरूरत है। इसलिए 4 जुलाई 2022 दिशा निर्देशों के पैरा 7 में निहित निर्देश, मामले की सुनवाई की अगली तारीख तक स्थगित किए जाते हैं। उच्च न्यायालय ने कहा कि याचिकाकर्ताओं के सदस्यों को निर्देश दिया जाता है कि वे यह सुनिश्चित करें कि कीमत और कर के अतिरिक्त उपभोक्ताओं से सेवा शुल्क वसूले जाने और इसके भुगतान की बाध्यता को मेन्यू या अन्य स्थानों पर विधिवत प्रदर्शित किया जाए। कोर्ट ने कहा कि इसके अलावा होटल और रेस्तरां पैक कराकर ले जाए जाने वाले सामान पर सेवा शुल्क नहीं वसूलने के बारे में हलफनामा दाखिल करेंगे। उच्च न्यायालय ने कहा यदि आप भुगतान नहीं करना चाहते हैं, तो रेस्तरां में प्रवेश न करें। यह अंततः आपकी इच्छा पर निर्भर करता है। दिशा-निर्देशों के पैरा 7 पर रोक लगाई जाती है, जिसमें इन दो शर्तों का उल्लेख किया गया है। अदालत ने मामले को 25 नवंबर को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया।

न्यूज़ ट्रैक....

आईसीसी के व्यस्त क्रिकेट कार्यक्रम पर भड़के इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन

लंदन। इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स के अचानक ही एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास के बाद अब आईसीसी के व्यस्त कार्यक्रम की आलोचना शुरु हो गयी है। पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा है कि अत्याधिक व्यस्त कार्यक्रम के कारण खिलाड़ी शारीरिक और मानसिक रुप से थकान का शिकार हो रहे हैं। पूर्व कप्तान ने कहा, ' स्टोक्स का 31 की उम्र में संन्यास लेना निराशाजनक है। इससे यह पता चलता है कि अभी क्रिकेट कार्यक्रम कैसा है। यह खिलाड़ियों के लिए थका देना वाला है। उन्होंने कहा, 'अगर आईसीसी अपने क्रिकेट कार्यक्रम बनायेगा और विभिन्न क्रिकेट बोर्ड इसके बचे हुए समय में अपने टूर्नामेंटों का आयोजन करेंगे तो खिलाड़ी थकान के कारण ज्यादा लंबे समय तक नहीं खेल पाएंगे। उन्होंने कहा, 'स्टोक्स ने महज 31 साल की उम्र में एक प्रारूप को अलविदा कह दिया, यह सही नहीं हो सकता। क्रिकेट कार्यक्रम पर को एक बार फिर देखने की जरुरत है। वर्तमान समय में यह मजाक की तरह लगता है। हुसैन ने कहा, 'मेरे लिए स्टोक्स के संन्यास के बारे में सुनना हैरानी भरा था। उन्होंने 2019 में टीम को सबसे बड़ी सफलता दिलाई। अगर आप मुझ से इस टीम से एक खिलाड़ी को चुनने के लिए कहेंगे तो स्टोक्स सबसे बड़े मैच विजेता हैं। स्टोक्स ने हालांकि 2019 विश्व कप के बाद सिर्फ नौ एकदिवसीय मैच खेले हैं। वह चोट, मानसिक स्वास्थ्य ब्रेक और कार्यभार प्रबंधन के तहत लंबे समय तक टीम से बाहर रहे। वहीं पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी कहा कि खिलाड़ियों के बोझ को कम करने के लिए टीमों को द्विपक्षीय श्रृंखलाओं में कटौती करनी होगी। इसके साथ ही लीग मुकाबले भी कम करने होंगे।

आईपीएल की तर्ज पर दक्षिण अफ्रीका शुरु कर रहा टी20 लीग

6 टीमें आईपीएल फ्रेंचाइजी के मालिकों ने खरीदीं

मुम्बई (ईएमएस)। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने आईपीएल की तरह ही एक टी20 लीग लॉन्च की हैं। यह टूर्नामेंट 2023 में होने वाले आईपीएल से पहले खेला जाएगा। इसमें भाग लेने वाली 6 टीमों को आईपीएल फ्रेंचाइजी के मालिकों ने ही खरीदा है। इसलिए इसे मिनी आईपीएल भी कहा जा रहा है। इसमें हिस्सा लेने वाली टीमें हैं मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स, सनराइजर्स हैदराबाद, लखनऊ सुपर जायंट्स और राजस्थान रॉयल्स। इस टूर्नामेंट का आयोजन अगले साल जनवरी में होगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई इंडियंस , चेन्नई सुपर किंग्स , दिल्ली कैपिटल्स , सनराइजर्स हैदराबाद , लखनऊ सुपर जायंट्स और राजस्थान रॉयल्स के मालिकों ने इसमें टीमें खरीदी हैं। आधिकारिक घोषणा हालांकि अभी तक नहीं हुई है पर फ्रेंचाइजी के मालिकों को उनकी सफल बोलियों के बारे में बता दिया गया है और उनसे पसंद के शहरों के बारे में भी पूछा गया है। आईपीएल की सबसे सफल टीम मुंबई इंडियंस कैप्टाउन, चेन्नई सुपर किंग्स जोहानिसबर्ग और दिल्ली कैपिटल्स की टीम सेंचुरियन आधारित होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स ने टीमें खरीदने के लिए करीब 250 करोड़ रुपये की बोली लगाई है। आईपीएल मॉडल के अनुसार, हर फ्रेंचाइजी को 10 साल के लिए फ्रेंचाइजी फीस का 10 फीसदी का भुगतान करना होगा।

भारत को राष्ट्रमंडल खेलों में चानू सहित सभी भारोत्तोलकों से पदक की उम्मीद

नई दिल्ली। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएलएफ) को बर्मिंघम में होने वाले आगामी राष्ट्रमंडल खेलों में मीराबाई सहित सभी भारोत्तोलकों से पदकों की उम्मीद हैं। भारत का 15 सदस्यीय दल इन खेलों में भाग ले रहा है। पिछली बारगोल्ड कोस्ट में हुए 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने पांच स्वर्ण सहित नौ पदक जीते थे। इस साल भी सभी 15 भारोत्तोलक पदक जीतने में सक्षम हैं। इनमें से हालांकि कुछ से ही स्वर्ण पदक की उम्मीद है। आईडब्ल्यूएलएफ और मुख्य कोच विजय शर्मा ने चानू को पहले 55 किग्रा भार वर्ग में उतारने की योजना बनाई थी। चानू का राष्ट्रमंडल खेलों में पदक पक्का माना जा रहा है। झिली डालबेहड़ा और एस बिंदियारानी देवी को क्रमशः 49 किग्रा और 59 किग्रा वर्ग में जबकि पोपी हजारिका को 64 किग्रा वर्ग में हिस्सा लेना था पर इनकी प्रविष्टियों को नए नियम के आधार पर खारिज कर दिया गया जिसके अनुसार किसी वर्ग में सिर्फ शीर्ष रैंकिंग वाला भारोत्तोलक ही राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई करेगा।

वहीं अगर वह हटता है तो अगले सर्वश्रेष्ठ भारोत्तोलक को उसकी जगह नहीं दी जाएगी। इस नियम के कारण चानू अब (49 किग्रा), बिंदियारानी (55 किग्रा) और पोपी (59 किग्रा) को एक भार वर्ग नीचे चुनौती पेश करनी पड़ेगी जबकि झिली राष्ट्रमंडल खेलों में भाग नहीं ले पाएंगी और 64 किग्रा वर्ग में भारत का कोई प्रतिनिधित्व नहीं होगा। ऐसे में इन खेलों में सभी की नजरें चानू पर टिकी होंगी। तीसरा राष्ट्रमंडल पदक जीतने के लिए चानू को सिर्फ दो वैध भार उठाने होंगे, एक स्नैच में और एक क्लीन एवं जर्क में। चानू की निकटतम प्रतिद्वंद्वी नाइजीरिया की स्टेला किंग्सले का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सिर्फ 168 किग्रा (72 किग्रा और 96 किग्रा) है।

विश्व चैम्पियनशिप में 5वें स्थान पर रही एलिसा

लंदन। विश्व की सबसे खूबसूरत एथलीटों में से एक एलिसा श्मिट अपनी पहली विश्व चैम्पियनशिप की चार गुणा चार सौ मीटर रेस में 5वें स्थान पर रही। इस प्रकार वह फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई। श्मिट ने कहा , वह परिणाम हमें नहीं मिला जो हम चाहते थे पर हमें आगे बढ़ने की उम्मीद है। अगले सप्ताह शनिवार को 4×400 मीटर रिले रेस पर हमारी नजरें हैं। इसमें हमें विश्व चैम्पियनशिप के अनुभवों का लाभ मिलेगा। श्मिट को विश्व का सबसे सेक्सी एथलीट माना जाता है। सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर ही उनके 30 लाख फॉलोअर्स हैं। वह मैनचेस्टर सिटी के फुटबॉलर एर्लिंग हैलैंड और नेमार सहित अन्य खेलों के खिलाड़ियों के साथ भी देखी जाती हैं। पिछले साल उन्हें टोक्यो में जर्मनी की ओलंपिक टीम में शामिल होने से रोक दिया गया था। इसके बाद भी उसने अच्छी वापसी की है।

राजीव शुक्ला को अब छोड़ना होगा बीसीसीआई उपाध्यक्ष पद

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला का इस्तीफा अब तय हैं। राजीव शुक्ला राज्यसभा के लिए सांसद चुने गए हैं। उन्होंने सांसद के तौर पर शपथ भी ले ली है। ऐसे में बीसीसीआई संविधान के अनुसार उन्हें अपना पद छोड़ना पड़ेगा। जिसमें कहा गया है कि कोई भी लोक सेवक एक साथ दो पद पर नहीं रह सकता है। गुरुवार को होने वाली बीसीसीआई की शीर्ष परिषद की बैठक में अब उन्हें लेकर घोषणा हो सकती है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, %संविधान के अनुसार, उन्हें पद छोड़ना होगा हालांकि हमारी अभी इस बारे में बात नहीं हुई है। इसका कारण है कि अधिकतर पदाधिकारी अभी तक इंग्लैंड में थे। हमें शीर्ष परिषद की बैठक में इस पर बाता करने का अवसर मिलेगा। अभी यह नहीं कहा जा सकता कि वह अब तक अपना पद छोड़ेंगे। नियम 7.2 के अनुसार, %अध्यक्ष के उपलब्धि नहीं होने पर उपाध्यक्ष ही अध्यक्ष के रुप में कार्य करता है। उपाध्यक्ष ऐसे कार्यों और कर्तव्यों का पालन करेगा जो उसे सामान्य निकाय या सर्वोच्च परिषद द्वारा सशक्त किए जा सकते हैं। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष को बीसीसीआई के पदाधिकारियों के रूप में नामित किया गया है। संविधान किसी भी पदाधिकारी को बीसीसीआई अधिकारी के रूप में बने रहने से रोकता है यदि वे लोक सेवक के रूप में कोई भूमिका निभाते हैं। यह विशेष रूप से राजनेताओं को बीसीसीआई में पद ग्रहण करने से रोकने के लिए बनाया गया था।

यूजीन में विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भाग लेती हुई अमेरिका की जैना प्रेंडिनी।

स्टोक्स के संन्यास से उठे सवाल

लंदन। इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स के 31 साल की उम्र में एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास लेने से कई सवाल उठ खड़े हुए हैं। इससे यह भी साफ है कि आजकल अत्याधिक क्रिकेट हो रहा है जिससे खिलाड़ी शारीरिक और मानसिक रुप से टूट रहे हैं। स्टोक्स ने कहा है कि काफी अधिक क्रिकेट के कारण शरीर पर पड़ रहे विपरीत प्रभाव को देखते हुए ही उन्होंने यह कदम उठाया है। ऐसे में अगर अब भी विश्व भर के क्रिकेट बोर्ड नहीं संभले और पैसे के लिए खेल के मुकाबले इसी प्रकार चलते रहे तो कई खिलाड़ी कम उम्र में ही खोने पड़ेंगे।

स्टोक्स का संन्यास बताता है कि पिछले कुछ सालों में क्रिकेट काफी ज्यादा खेला जा रहा है। सिर्फ द्विपक्षीय सीरीज ही नहीं, बल्कि आईसीसी इवेंट भी काफी हो रहे हैं। इससे खिलाड़ी मानसिक और शारीरिक तौर पर बिखर रहे हैं। स्टोक्स का संन्यास विश्व क्रिकेट के लिए एक चेतावनी भर है। इसी प्रकार एक दशक पहले इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने भी अचानक ही खेल को अलविदा कह दिया था। . तब पीटरसन की उम्र भी 30 के करीब ही थी। पीटरसन भी लगातार व्यस्त कार्यक्रम से थक गये थे। इंग्लैंड काफी ज्यादा क्रिकेट खेल रहा। ऐसे में स्टोक्स जैसे खिलाड़ी, जो मैदान पर जीत के लिए पूरी ताकत लगा देते हैं। उन्हें किसी न किसी प्रारुप को तो छोड़ना ही था।

इससे इंग्लैंड के अलावा दुनिया भर के क्रिकेट बोर्ड को सतर्क हो जाना चाहिये हालांकि आईसीसी या दुनिया भर के क्रिकेट बोर्ड की सोच में बदलाव की अभी भी उम्मीद नहीं है। आईसीसी की अगले हफ्ते बर्मिंघम में 2023 से 2027 भविष्य दौरा कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए आम बैठक होनी है. हालांकि, इस बैठक में कुछ बदलाव की उम्मीद नहीं है। होगा. एफटीपी का कार्यक्रम दिखाता है कि अगले 4 साल में किस देश को कितना क्रिकेट खेलना है। इसमें इंग्लैंड को ही इस चार साल की अवधि में 42 टेस्ट, 44 एकदिवसीय और 52 टी20 खेलने हैं। इसके अलाव आईसीसी के अलग मुकाबले भी होंगे। इसी प्रकार भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई टीमों को भी तकरीबन इतने ही मुकाबले खेलने हैं। अन्य टीमों को को भी इसी प्रकार से मुकाबले खेलने होंगे। भारतीय टीम के भी खिलाड़ी आईपीएल के पहले से ही लगातार खेल रह हैं। जिसके बारे में भी भारतीय बोर्ड को विचार करना होगा।

व्यापार न्यूज

सोने में हल्की बढ़त, चांदी टूटी

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में बढ़त आई है जबकि चांदी नीचे आई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने की कीमतें छह रुपये की मामूली बढ़त के साथ ही 50,290 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गयीं जबकि गत कारोबारी सत्र में सोना 50,284 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी 137 रुपये की गिरावट के साथ ही 55,539 रुपये प्रति किलोग्राम पर फिसल गयी। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 55,676 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। दिल्ली में 24 कैरेट सोने का हाजिर भाव छह रुपये बढ़ा। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 1,711 डॉलर प्रति औंस जबकि चांदी 18.80 डॉलर प्रति औंस पर बनी रही।

एल्युमीनियम एयर बैटरी के उत्पादन को लेकर भारत और इजराइल की प्रमुख कंपनियों में समझौता

तेल अवीव। भारत और इजराइल की प्रमुख कंपनियों ने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 'अत्याधुनिक एल्युमीनियम एयर बैटरी के उत्पादन को लेकर समझौता किया है। इन कंपनियों के बीच साझेदारी से भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों का चलन बढ़ेगा और चार्जिंग के बुनियादी ढांचे की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। साथ ही बैटरी का आयात भी कम होगा और ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के अभियान को बड़ा समर्थन भी मिलेगा। इन कंपनियों की तरफ से जारी संयुक्त बयान के अनुसार, आदित्य बिड़ला समूह की धातु कंपनी हिंडाल्को ने इजराइल की धातु-एयर बैटरी तकनीक कंपनी फिनर्जी और आईओसी फिनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता किया है। आईओसी फिनर्जी दरअसल आईओसी और फिनर्जी का संयुक्त उद्यम है। यह समझौता एल्युमिनियम एयर बैटरी तैयार करने को लेकर हुआ है। एल्युमिनियम एयर बैटरी को फिनर्जी ने तैयार किया है। यह बैटरी वजन में हल्की होती है और इसमें ऊर्जा क्षमता अधिक होती है, इससे इलेक्ट्रिक वाहन अन्य बैटरी की तुलना में अधिक दूरी तय कर सकते हैं।

अफ्रीकी देशों के साथ व्यापार सहयोग बढ़ाने की जरूरतः गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत सौर ऊर्जा, अवसंरचना, सैन्य सहयोग एवं स्टार्टअप पारिस्थितिकी के अहम क्षेत्रों में अफ्रीकी देशों का एक मूल्यवान भागीदार हो सकता है। गोयल ने कहा कि भारत एवं अफ्रीकी देशों के बीच व्यापार काफी हद तक संतुलित है। भारत इन देशों का जहां 40 अरब डॉलर का निर्यात करता है, वहीं इन देशों से आयात करीब 49 अरब डॉलर है। गोयल ने कहा, हम आगे भी इस संबंध एवं भागीदारी को जारी रखना चाहते हैं, जिसमें दोनों ही पक्ष एक-दूसरे की आर्थिक वृद्धि में मददगार साबित हों। भारत एवं अफ्रीकी देश विभिन्न क्षेत्रों में स्थानीय आबादी के लिए किफायती एवं असरदार समाधान लाने में मिलकर काम कर सकते हैं।''उन्होंने कहा, भारत अफ्रीका के 1.4 अरब लोगों के सपनों को पूरा करने के लिए अपनी तरफ से दोस्ती के रिश्ते को मजबूत करना चाहेगा। आपसी भागीदारी के चार ऐसे क्षेत्र हैं जो अफ्रीका एवं भारत के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा कर सकते हैं।''

ट्रेनों में प्री कैटरिंग बुक न करने वालों को सर्विस चार्ज से राहत, चाय-कॉफी 70 के बजाए 20 की ही मिलेगी

नई दिल्ली।

भारतीय रेलवे ने ट्रेनों में सफर करने वाले अपने यात्रियों को पहले से खाने पीने के सामान को बुक न करने वाले मुसाफिरों को चाय, कॉफी रेट में काफी राहत दे दी है। अब चलती ट्रेन में यात्रियों को 20 रुपये की चाय, कॉफी उसी दर पर मिलेगी, यानी उन्हें अब सर्विस चार्ज के रूप में 50 रुपये अतिरिक्त नहीं देने पड़ेगे। पहले यह चाय, कॉफी सर्विस चार्ज समेत 70 रुपये की पड़ती थी। रेलवे बोर्ड ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। ट्रेनों में पहले से खानपान की सर्विस बुक न करने वाले यात्रियों से अब नए आदेश के तहत कैटरिंग का चार्ज लिया जाएगा।

ट्रेनों में अगर यात्री खानापान की सर्विस की बुकिंग टिकट के साथ नहीं करता है तो उन्हें चलती ट्रेनों में खानपान ऑर्डर करने में महंगा पड़ता है। ट्रेनों में कैटरिंग सर्विस से कोई भी चीज मंगाने पर 50 रुपये का सविर्स चार्ज देना पड़ता था, वो चीज चाहे 20 रुपये की हो या 200 रुपये की। इससे सेकेंड थर्ड या चेयर कार में केवल चाय, काफी का ऑर्डर देने वाले यात्रियों को काफी महंगा पड़ता था, उन्हें 20 रुपये की चाय, कॉफी सर्विस चार्ज के साथ 70 रुपये की पड़ती थी। हालांकि अन्य चीजें पहले से खानपान की सुविधा बुक न करने वाले यात्रियों को महंगी पड़ेंगी। इसलिए टिकट बुक कराते समय यात्रियों को खानपान की सर्विस बुक कराना सस्ता रहेगा। पिछले दिनों इस तरह का एक मामला मीडिया में काफी हाईलाइट हुआ था। इसी को ध्यान में रेलवे बोर्ड ने यात्रियों को राहत देने के लिए फैसला लिया है। फर्स्ट एसी और सेकेंड,थर्ड व चेयरमकार में कैटरिंग के चार्जेस अलग-अलग हैं। ट्रेनों में कैटरिंग की सर्विस उपलब्ध कराने वाली आईआरसीटीसी अब नए आदेश के तहत यात्रियों से चार्ज लेगी।

बिल गेट्स को पछाड़ दुनिया के चौथे सबसे अमीर आदमी बने अडानी, पीछे छूटे कई धनकुबेर

बिजनेस डेस्क। दुनिया के शीर्ष अरबपतियों की सूची में भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी ने बड़ा उलटफेर किया है। वह शीर्ष 10 अमीरों की सूची में एक पायदान आगे बढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। फोर्ब्स की रियल टाइम सूची के मुताबिक, अडानी 112.6 अरब डॉलर की नेट वर्थ के साथ माइक्रोसॉफ्ट के बिल गेट्स को पीछे छोड़ चुके हैं। पांचवें नंबर पर खिसके गेट्स की नेट वर्थ कम होकर अब 103 अरब डॉलर रह गई है। शीर्ष 10 अरबपतियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने एक बार फिर प्रवेश किया है। वे इस सूची में 10वें नंबर पर हैं। उनकी संपत्ति 87.1 अरब डॉलर है। अब गौतम अडानी और मुकेश अंबानी की संपत्ति में फासला काफी बढ़ गया है। इस सूची में 230.4 अरब डॉलर नेट वर्थ के साथ टेस्ला के सीईओ एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर इंसान हैं। वहीं फ्रांस के अरबपति बर्नार्ड अर्नाल्ट 148.4 अरब डॉलर के साथ दूसरे और अमेजॉन के जेफ बेजोस 139.2 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान हैं। लैरी एलिसन 97.3 अरब डॉलर नेट वर्थ के साथ छठे नंबर पर हैं। दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे 96.9 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ सातवें पायदान पर हैं। लैरी पेज 96.7 अरब डॉलर के साथ आठवें सबसे अमीर इंसान हैं, जबकि सर्गेई ब्रिन 93 अरब डॉलर की नेट वर्थ के साथ नौवें नंबर पर हैं। फेसबुक के फाउंडर मार्क जुकरबर्ग 20वें नंबर पर हैं। जुकरबर्ग की नेट वर्थ कम होकर 59.3 अरब डॉलर रह गई है।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार, अमेरिकी बाजार गिरे

टोक्यो। एशियाई बाजारों में मंगलवार को मिला-जुला कारोबार हुआ। वहीं अमेरिकी बाजारों में गिरावट रही है। दूसरी और यूरोपीय बाजारों में उछाल है। एशियाई बाजार की बात करें तो सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज 0.80 फीसदी की गिरावट पर कारोबार कर रहा जबकि जापान के निक्केई में 0.67 फीसदी की बढ़त रही। वहीं ताइवान का शेयर बाजार 0.41 फीसदी गिरा। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी 0.17 फीसदी के नुकसान पर कामकाज कर रहा था। चीन के शंघाई कंपोजिट पर भी आज 0.01 फीसदी की गिरावट रही है। इसके अलावा अमेरिका के शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट से हुई। पिछले कारोबारी सत्र में बिकवाली से अमेरिका के प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज नेसडेक पर 0.81 फीसदी की गिरावट दिखी। वहीं यूरोपीय बाजारों के लिए पिछला सत्र काफी बेहतर रहा और यूरोप के सभी प्रमुख शेयर बाजार बढ़त पर बंद हुए। जर्मनी के स्टॉक एक्सचेंज पर पिछले कारोबारी सत्र में 0.74 फीसदी का उछाल दिखा जबकि फ्रांस का शेयर बाजार 0.94 फीसदी की बढ़त हासिल कर बंद हुआ।

साबुन से सिगरेट तक बनाने वाली कंपनी आईटीसी ने 60 दृष्टिहीनों पर खेला दांव, दिया सूंघने का कार्य

नई दिल्ली। कहा जाता है जिन लोगों का कोई इंद्री काम नहीं करती उन लोगों की अन्य इंद्री कुछ ज्यादा सक्रिय होती है इसी ईश्वरीय देन के मद्देनजर साबुन से सिगरेट तक बनाने वाली कंपनी आईटीसी ने करीब 60 दृष्टिहीन लोगों पर दांव खेला और इनको भर्ती किया है और उन्हें फ्रेगरेंस बेचने का काम सौंपा है। इससे कंपनी इन दृष्टिहीन लोगों की जिंदगी तो बदल ही रही है, साथ ही अपने प्रोडक्ट को एक अलग तरीके से लोगों के बीच में पेश कर रही है। इस वक्त भारतीय फ्रेगरेंस मार्केट में ऐसे लोगों की तगड़ी डिमांड है जिनकी सूंघने की शक्ति बहुत अधिक हो। जो लोग देख नहीं सकते, उनकी सूंघने की ताकत आम आदमी से अधिक होती है। आप कभी खुद ही गौर कीजिएगा कि जब कभी आप किसी चीज की खुशबू को दिल से महसूस करना चाहते हैं तो आंख बंद कर के सूंघना पसंद करते हैं। यहां तक कि अगर आप कुछ ध्यान से सुनना चाहें तो भी आप आंखें बंद कर लेते हैं। तो जरा सोचिए, जो देख ही नहीं सकते, उनके लिए सूंघ कर चीजें पहचानना कितना आसान होगा। देखा जाए तो वह किसी चीज को सूंघकर पहचानने में नेचुरली ट्रेंड लोग हैं। चेन्नई की लोकल ट्रेनों में 39 साल के नरसिम्मन नाम के एक दिव्यांग अक्सर दिखते थे, जो दृष्टिहीन हैं। वह ट्रेन में बच्चों के खिलौने, फोन के कवर, कार्ड पाउच, ईयरफोन और चार्जिंग केबल जैसी चीजें बेचते थे। अब उन्हें आईटीसी ने नौकरी पर रख लिया है। उनकी भर्ती आईटीसी के ब्रांड मंगलदीप के लिए की गई है। अब वह मंगलदीप छठी इंद्री का हिस्सा हैं। नरसिम्मन उन 60 दृष्टिहीन लोगों में से एक हैं, जिन्हें कंपनी ने नौकरी पर रखा है। आईटीसी के एक वरिष्ठ कार्यकारी ने कहा है कि कंपनी इन दृष्टिहीन लोगों की सूंघने की क्षमता बढ़ाने पर उन्हें ट्रेनिंग दे रही है और साथ ही उन्हें सर्टिफिकेट भी दे रही है।

मुग्धा गोडसे ने 2021 में अच्छी शुरुआत के लिए फिल्म इंडस्ट्री का आभार जताया

अभिनेत्री मुग्धा गोडसे अपनी फिल्म फौजी कॉलिंग और रियलिटी शो फॉरबिडन एंजेल्स की रिलीज का इंतजार कर रही हैं, जिसमें वह जज की सीट पर नजर आएंगी। एक कठिन साल 2020 के बाद, वह खुश हैं कि फिल्म इंडस्ट्री में सभी के लिए चीजें चमकती दिख रही हैं। मुग्धा ने कहा, वर्ष 2021 की शुरुआत के लिए मैं हर चीज के लिए आभारी हूं। मेरी फिल्म रिलीज और रियलिटी शो टेलिकास्ट हो रहे हैं। बहुत सी चीजें हो रही हैं और कई प्रोजेक्ट लाइन में हैं। मैं उन सभी के लिए प्रार्थना करती हूं कि 2021 में, जिन्हें व्यापार और नौकरियों में बड़ा नुकसान हुआ, वह सब कुछ ठीक हो जाएगा। मैं अपनी फिल्म और शो को लेकर उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, वर्ष 2020 एक टेस्टिंग का वर्ष रहा है और हमने सकारात्मक बने रहने की कोशिश की है। हालांकि इस वर्ष ने सभी को मुश्किल समय दिया। हमने लॉकडाउन के दौरान बहुत सारी गतिविधियां कीं और परिवार का समय मिला। अब हम सभी काम पर वापस आने की कोशिश कर रहे हैं। मुग्धा ने 2008 में फैशन के साथ अभिनय की शुरुआत की और जेल, हीरोइन और ऑल द बेस्ट : फन बिगिन्स जैसी फिल्में की।

तब्बू ने शुरू की भूल भुलैया 2 की शूटिंग, कार्तिक आर्यन ने किया जबरदस्त स्वागत

तब्बू बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों के लिस्ट में आती हैं जिनकी शानदार अदाकारी की लोग तारीफ करते हैं। अदाकारा तब्बू आज 40 बार हो गई है लेकिन इसके बावजूद भी वो फिल्मों में अहम रोल निभाती नजर आते हैं। अब अभिनेत्री तब्बू आने वाले दिनों में कई फिल्मों में नजर आने वाली है। जिसमे उनकी फिल्म भूल भुलैया 2 भी शामिल है। इस फिल्म की शूटिंग अभिनेत्री ने शुरू कर दी है। अभिनेत्री तब्बू ने फिल्म की स्टारकास्ट को ज्वाइन किया है। भूल भुलैया 2 में नजर आने वाले अभिनेता कार्तिक आर्यन ने अभिनेत्री का बेहद खास अंदाज में स्वागत किया है। तब्बू की एक तस्वीर शेयर करते हुए अभिनेता कार्तिक आर्यन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है। जिसमे उन्होंने अभिनेत्रीकी तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा कि, तब्बू जी वापसी पर स्वागत है लेकिन उन्होंने बाहर आने से मना कर दिया है वह सूट के लिए खुद का पोर्टेबल जेड प्लस प्लस बायो बबल लेकर आई है। इस तस्वीर की अगर हम बात करें तो इसमे कार्तिक आर्यन के साथ कियारा आडवाणी निर्देशक अनीस बज्मी और तब्बू नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री तब्बू एक पारदर्शी चेंबर के अंदर बैठी हुई नजर आ रही हैं। अभिनेता का यह मजाकिया अंदाज सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। अगर हम बात करें फिर भूल भुलैया 2 की तो ये इसी साल 19 नवंबर को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म भूल भुलैया 2 भी उन फिल्मों में शामिल है। जिसकी शूटिंग शो रियल कोरोना वायरस महामारी की वजह से प्रभावित हुई थी।

राजकुमार राव के ट्रासफॉर्मेश ने उड़ा दिए हर किसी के होश

बॉलीवुड के दमदार कलाकारों में से एक राजकुमार राव अपनी फिल्मों को लेकर हमेशा चर्चा में रहते है। वही राजकुमार अपनी हर फिल्म के साथ अपने लुक में काफी बदलाव करते हुए नज़र आते है। उनके लुक को काफी पसंद भी किया करते है। हाल ही में रिलीज फिल्म रूखी में राजकुमार एक अलग अंदाज़ में नज़र आ रहे है। वही इन दिनों राजकुमार अपनी अपकमिंग फिल्म बधाई दो की तैयारियों में लगे हुए है। इस फिल्म को लेकर काफी जबरदस्त बज बना हुआ है। इस फिल्म में राजकुमार राव एक पुलिस वाले के किरदार में नज़र आने वाले है। जिसके चलते उनकी मुछो को लेकर काफी चर्चा सामने आ रही है। वही इस फिल्म के लिए राजकुमार काफी पसीना भी बढ़ा रहे है।

'एनएच10', 'बुलबुल', 'पाताल लोक' के बिना खुद की कल्पना नहीं कर सकती : अनुष्का शर्मा

अभिनेत्री अनुष्का शर्मा का कहना है कि आज वह अपने प्रोडक्शन की फिल्में 'एनएच10', 'परी', 'फिल्लौरी', 'बुलबुल', 'पाताल लोक' के बगैर खुद की कल्पना भी नहीं कर सकतीं। उन्होंने कहा, मुझसे कहा गया था कि मुझे अपने एक्टिंग करियर पर ही ध्यान केंद्रित करना चाहिए और प्रोडक्शन के क्षेत्र में जाकर मन को भटकाना नहीं चाहिए। आज मैं 'एनएच10', 'परी', 'फिल्लौरी', 'बुलबुल', 'पाताल लोक' और अपने कुछ अपकमिंग प्रोजेक्ट्स के बगैर खुद की कल्पना भी नहीं कर सकती। उन्होंने कहा, प्रोड्यूसर के रूप में मेरा सफर 'एनएच10' के साथ शुरू हुई थी और यह आगाज किसी धमाके की तरह था। मैं इतना ही बता सकती हूं कि बतौर प्रोड्यूसर मुझे कुछ भी पता नहीं था। उसने कहा, ये मेरा सौभाग्य है कि दर्शकों को क्लटर-ब्रेकिंग कंटेंट देने के मेरे विजन और पैशन को साझा करने वाला मेरा भाई कर्णेश (शर्मा) मेरे साथ था। मेरे दिमाग में ढेर सारे सपनों का बसेरा था और मेरे भाई ने वाकई मेरा सपोर्ट किया और कंटेंट से जुड़ी अपनी सशक्त संवेदनाएं सामने लेकर आए। हम एक कमाल की टीम थे और अब भी हैं। अनुष्का ने जब यह कदम उठाने का फैसला किया था, उस समय वह सिर्फ 25 साल की थीं। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि 25 साल की उम्र में मैंने बाजी अपने हाथ में ले ली थी और शायद मैंने इंडस्ट्री में एक महिला प्रोड्यूसर होने को लेकर छिड़ने वाली चर्चा का रुख बदल दिया है। अब कहा जाता है कि मैं हमेशा लीक से हटकर फिल्में बनाती हूं। इसे मैं अपना सौभाग्य मानती हूं। उसने कहा, अभिनेत्रियों के पक्ष में चीजों को हिला कर रख देने के लिए एनएच10 एक जरूरी और अहम फिल्म थी। एनएच10 ने दिखा दिया कि कोई महिला सर्वाइव करने के लिए, अपने दम पर खड़ा होने के लिए किस कदर संघर्ष कर सकती है।

सलामन ने किया फिल्म राधे की रिलीज डेट का ऐलान, जॉन अब्राहम के साथ होगी टक्कर

जब-जब बॉक्स ऑफिस पर दो बड़े अभिनेताओं की फिल्में रिलीज की गई है। तब तब एक बड़ा टकराव देखने को मिला है। ऐसे में किसी एक फिल्म को जबरदस्त नुकसान भी झेलने पड़ता है। अब आने वाले दिनों में दो बड़ी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर टकराने वाली हैं। वो कोई और नहीं बल्कि सलमान खान की फिल्म राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई और जॉन अब्राहम की फिल्म सत्यमेव जयते 2 शामिल है। आज कुछ समय पहले ही सलमान खान ने अपनी फिल्म राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई की रिलीज डेट का ऐलान किया है। ये फिल्म ईद के मौके पर रिलीज होने वाली है। इसी के साथ सलमान खान ने अपने चाहने वालों से किया

हुआ वादा भी पूरा कर लिया है। सलमान खान ने फिल्म की रिलीज का ऐलान करते हुए नया पोस्टर भी रिलीज किया और बताया कि फिल्म 13 मई को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होने वाली है। आज से ठीक 2 महीने बाद सलमान खान की फिल्म रिलीज होगी। बता दें कि सलमान खान की एक्शन एंटरटेनमेंट फिल्म के साथ ही जॉन अब्राहम की मशहूर एक्शन फिल्म सत्यमेव जयते 2 भी रिलीज होने वाली है।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि जॉन अब्राहम की फिल्म सत्यमेव जयते 14 मई को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। तो ऐसे में जाहिर है कि दोनों फिल्मों के बीच जबरदस्त बॉक्स ऑफिस पर क्लैश देखने को मिलेगा। फिल्म सत्यमेव जयते की रिलीज का ऐलान मेकर्स ने काफी समय पहले ही कर दिया था। हालांकि अब राधे और सत्यमेव जयते दोनों में जबरदस्त टकराव देखने को मिलेगा।

महिलाओं में निहित शक्ति प्रतिनिधित्व की धारणा बदल सकती है : रानी मुखर्जी

अभिनेत्री रानी मुखर्जी का कहना है कि महिलाओं में जो शक्ति है, उससे हम फिल्म निर्माण के हर पहलू का प्रतिनिधित्व करने की धारणा को बदल सकते हैं। रानी ने कहा कि यदि महिलाएं एक-दूसरे की सफलता का जश्न मनाएं, तो उन्हें और अधिक सुना जाएगा। रानी ने कहा, हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में मेरी अब तक की यात्रा में मैंने महसूस किया है कि महिलाओं में जो शक्ति है, वह उस धारणा को बदल सकती है कि फिल्म निर्माण के हर पहलू में प्रतिनिधित्व कैसे किया जाए। हमें एक-दूसरे का समर्थन करना है, एक-दूसरे के लिए सशक्त बनाना है, ताकि उन लोगों के लिए रास्ता आसान हो सके जो पुरुषों द्वारा संचालित इस इंडस्ट्री में अपना एक नाम बनाना चाहती हैं। इसके लिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम एक-दूसरे की सफलताओं का जश्न मनाएं। रानी खुद को सौभाग्यशाली मानती हैं कि उन्हें जीवन में शानदार चरित्रों को निभाने का मौका मिला। वह कहती हैं, मैं खुशनसीब हूं कि मुझे एक कलाकार के तौर पर शानदार आत्मनिर्भर महिलाओं की भूमिका निभाने का मौका मिला। मेरी तरह, पीढ़ी दर पीढ़ी कई अभिनेत्रियों ने ऐसा करके इस चीज को बदलने की कोशिश की है कि पर्दे पर महिलाओं को कैसे चित्रित किया जाए। अब से पहले रानी की दो फिल्में हिचकी और मर्दानी 2 थीं।

पिंक ड्रेस में जाह्नवी कपूर ने करवाया फोटोशूट, हॉट अंदाज देख फैंस हुए घायल

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर इन दिनों एक के बाद एक अपना लेटेस्ट फोटोशूट करवा रही है। जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। हाल ही में उन्होंने पिंक ड्रेस में फोटोशूट कराया। दरअसल, यह पिंक ड्रेस पहनकर उन्हें मुंबई के एक थिएटर के बाहर स्पॉट किया गया था। इन तस्वीरों में जाह्नवी कपूर ने न्यूड मेकअप किया हुआ है। इसके साथ ही ग्रीन कलर की हील्स कैरी की हुई हैं। जाह्नवी फिल्म इंडस्ट्री की उन एक्ट्रेसेस में से हैं जो अपने हॉट लुक के चलते फैन्स के बीच छाई रहती हैं। फैशन को लेकर उनकी चॉइस किसी प्रो फैशनिस्टा से कम नहीं होती है। जाह्नवी कपूर भले ही इंडस्ट्री में न्यू हों, लेकिन फैशन के मामले में वह हमेशा ही छाई रहती हैं। जाह्नवी ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकांउट पर कुछ हॉट एंड बोल्ड तस्वीरें शेयर की थीं। इन तस्वीरों में वह खुलकर अपना बैक फ्लॉन्ट करती नजर आई थीं। जाह्नवी कपूर की फिल्म 'रूही' रिलीज होने के लिए तैयार है। इस फिल्म में जाह्नवी कपूर के अलावा वरुण शर्मा और राजकुमार राव भी नजर आने वाले है।

बचना हैं इन 5 बीमारियों से तो आज ही बदल लें सोडा पीने की लत

सोडा में बहुत सारी कैलोरी होती हैं और इससे मोटापा बढ़ता है। ये बात हम अकसर सुनते और पढ़ते रहते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सोडाके सेवन से और भी कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं। सोड़ा के स्वास्थ्य के जोखमों की बढ़ती सूची में लड़कियों में यौवन जल्दी आना नवीनतम समस्या है। मीठे सोडा युक्त पेय के कुछ और भी नुकसान हैं जो ये बताते हैं कि आपको आज ही सोडा पीने की लत से छुटकारा पा लेना चाहिए.....

1. वज़न बढ़ता है

वयस्कों और बच्चों पर हुए अध्ययन से पता चला है कि जो लोग मीठे पेय (सोडा सहित) का सेवन बढ़ते हैं, उन लोगों में तेजी से वज़न बढ़ने लगता है।

2. टाइप 2 डायबिटीज़ का खतरा

साल 2010 में हुए एक अनुसंधान की समीक्षा के अनुसार, मीठे पेय पदार्थ का सेवन करने वाले लोगों में इनका सेवन न करने वाले लोगों की तुलना में टाइप 2 डायबिटीज़ होने का जोखिम 26 प्रतिशत तक बढ़ जाता है।

3. उच्च रक्तचाप

शोध बताते हैं कि नियमित रूप से मीठा सोडा पीने वाले लोग अधिक उच्च रक्तचाप विकसित होने की संभावना ज्यादा होती है। शोध के अनुसार सोडा को छोड़ने से रक्तचाप को कम किया जा सकता है।

4. हृदय संबंधी रोग

हार्वर्ड विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में पाया गया कि जो पुरुष व महिलाएं रोज़ाना एक शुगर युक्त सोड़ाड्रिंक पीते हैं, उनमें शुगर युक्त सोडा ड्रिंक न पीने वालों की तुलना में हार्ट अटैक होने का जोखिम 20 प्रतिशत अधिक होता है।

5. कुछ प्रकार के कैंसर

एक अध्ययन में पाया गया कि रजोनिवृत्त से पहले जो महिलाएं अधिक शुगर युक्त सोडा आदि का सेवन करती हैं, उनमें शुगर युक्त सोडा का सेवन ना करने वाली महिलाओं की तुलना में अंतर्गर्भाशयकला कैंसर का जोखिम 78 प्रतिशत तक अधिक होता है।

चश्मे की जगह कॉन्टेक्ट लेंस का प्रयोग करते हैं, तो जरूर बरते ये सावधानियां

अगर आपकी नजर कमजोर है और आप नजर के चश्मे की जगह कॉन्टेक्ट लेंस का प्रयोग करते हैं, तो आपको कुछ सावधानियां रखने की आवश्यकता है। जानिए 5 बातें, जिन्हें जानना आपके लिए जरूरी है.....

कॉन्टेक्ट लेंस लगाने के पहले अपने हाथों को साबुन से अच्छी तरह धो लें ताकि हाथ में किसी प्रकार की गंदगी न रहे। अन्यथा यह आपकी आंखों में समस्या पैदा कर सकती है हाथों को पोंछने के लिए रोंएदाय तौलिए का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। एक भी सूक्ष्म रोंया आंखों में जाने पर आपके लिए बड़ी समस्या खड़ी कर सकता है।

3. कॉन्टेक्ट लेंस हमेशा साथ और स्वस्थ्य आंखों में ही लगाना चाहिए, अन्यथा यह खुजली, जलन, इंफेक्शन और लालिमा का कारण बन सकता है।

4. किसी भी तरह के स्प्रे का प्रयोग करते वक्त आंखों को बंद रखें। वहीं आंखों को इन कणों के संपर्क में आने से भी बचाएं, ताकि आंखें सुरक्षित रहें।

फ्री की राजनीति

देश में फ्री बांटने की राजनीति के दुष्प्रभाव पर एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिंता जताई है। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का लोकार्पण करने के बाद पीएम मोदी ने तंज कसते हुए कहा कि देश में मुफ्त की रेवड़ी बांटकर वोट बटोरने का कल्चर लाने की कोशिश हो रही है। ये रेवड़ी कल्चर देश के विकास के लिए बहुत घातक है। इससे देश के लोगों को बहुत सावधान रहना है। पीएम मोदी ने कहा कि हम कोई भी फैसला लें, निर्णय लें, नीति बनाएं, इसके पीछे सबसे बड़ी सोच यही होनी चाहिए कि इससे देश का विकास और तेज होगा। आर्थिक विकास की नीतियां तब अपने लक्ष्य से भटक जाती हैं जब उनमें राजनीतिक सोच और उसके फायदे हावी हो जाते हैं। मुफ्त बांटने की राजनीति का अर्थ भी यही है। वैसे तो राजनीतिक दलों द्वारा जनता को मुफ्त सुविधाएं देने का कोई संवैधानिक प्रावधान नहीं है। दूरगामी आर्थिक विकास की सोच इस पक्ष में नहीं है। कई राज्यों में यह भी देखने को मिल रहा है कि कर संग्रह बढ़ाने के मकसद से शराब की बिक्री पर अधिक जोर दिया जा रहा है, क्योंकि आय बढ़ाने के अन्य स्रोत वर्तमान में उनके पास नहीं हैं। लोकलुभावन आर्थिक विकास की इस सोच ने क्या समाज को विनाशकारी राह पर नहीं मोड़ दिया है? पिछले कुछ वर्षों से आर्थिक विकास के मोर्चे पर एक नई राजनीतिक सोच पैदा हुई है। अब लोकलुभावन विकास को जन कल्याणकारी योजनाओं द्वारा हर सत्तापक्ष भुनाना चाहता है, जिसका वास्तविक आधार कुछ वस्तुओं और सेवाओं को %मुफ्त बांटना' हो गया है। मुफ्त बांटने की यह राजनीतिक सोच आर्थिक बदहाली को आमंत्रण दे रही है। यह चिंता आरबीआई द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट में भी जाहिर है। वर्तमान परिदृश्य में दस राज्यों की आर्थिक स्थिति डावांडोल है, क्योंकि उनका वित्तीय कर्ज और राज्य के जीडीपी का अनुपात बहुत अधिक बढ़ रहा है। इन सबमें पंजाब की स्थिति विकट है। यह लोकलुभावन कदम इसलिए गलत है, क्योंकि इससे आर्थिक नीतियां बुरी तरह प्रभावित होती हैं। इसके विपरीत आज जरूरत है कि सभी राज्य अपने यहां डिजिटल तकनीक और सामाजिक सुविधाओं के बुनियादी ढांचे को तेजी से विकसित करें तथा आर्थिक नीतियों को रोजगारोन्मुख बनाने को सर्वोपरि रखें। मुफ्त बांटने की इन योजनाओं के चलते राज्यों के पूंजीगत खर्च लगातार कम होते जा रहे हैं, जिसके कारण नई संपदा का विकास नहीं हो रहा और आय नहीं बढ़ रही है। यह सोच भविष्य के बहुत बड़ा आर्थिक संकट का द्वार है। आंकड़ों के मुताबिक राज्यों द्वारा दी जाने वाली विभिन्न सब्सिडी पर कुल खर्च वित्त वर्ष 2021-22 में 11.2 प्रतिशत से बढ़ा है। पिछले तीन वर्षों में इस पक्ष पर झारखंड, केरल, ओडिशा, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश मुख्य रहे हैं। रिपोर्ट में प्रस्तुत एक बात और चिंता का सबब है कि पिछले कुछ वर्षों से राज्यों के संदिग्ध दायित्वों का आर्थिक बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है, जिसके अंतर्गत विभिन्न राज्य सरकारी निकाय वित्तीय कर्ज ले रहे हैं, जिनकी गारंटी राज्य सरकारें दे रही हैं। क्रिसिल की ताजा रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2021-22 के अंतर्गत राज्यों के संदिग्ध आर्थिक दायित्व जीडीपी के 4.5 प्रतिशत के बराबर हो गए हैं। इन सब में मुख्य भूमिका राज्यों के विद्युत विभाग की है, जिनके हिस्से में चालीस प्रतिशत का दायित्व आ रहा है। अन्यों के अंतर्गत सिंचाई, बुनियादी ढांचे का विकास, भोजन और पानी की आपूर्ति के क्षेत्र मुख्य हैं। कुछ राज्यों का राजकोषीय घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। मतलब स्पष्ट है कि राज्यों की कमाई और खर्च के बीच में अंतर लगातार गहरा रहा है। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार आंध्र प्रदेश, बिहार, राजस्थान और पंजाब में राजकोषीय घाटा वर्ष 2020-21 में 15वें वित्त आयोग द्वारा निश्चित किए गए स्तर से ऊपर था।

जिद, जीत, जुनून और जज्बे का नाम है... जगदीप धनखड़

रमेश सर्राफ धमोरा

जिद, जीत, जुनून और जज्बे का नाम है जगदीप धनखड़। शनिवार को भाजपा नीत एनडीए ने उप राष्ट्रपति पद के लिए पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। जगदीप धनखड़ राजस्थान के झुंझुनू जिले के छोटे से गांव किठाना के रहने वाले है। जब जगदीप धनखड़ पढते थे। तो इस गांव में ना तो सड़क थी और ना ही कक्षा पांच आगे पढने के लिए स्कूल। फिर भी जगदीप धनखड़ का पढने का जुनून इतना था कि वे पास के गांव में चार किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल में पढने जाया करते थे और फिर वापिस चार किलोमीटर पैदल चलकर आया करते थे। राजनीति के जरिए सेवा की वो जिद। उन्होंने जितने चुनाव जीते। उतने ही हारे। लेकिन कभी भी हौंसले को नहीं हारने दिया। झुंझुनू से दूर जाकर अजमेर भी एक चुनाव जीता तो एक हारे। इसका नाम ही है जगदीप धनखड़।

झुंझुनू के किठाना निवासी जगदीप धनखड़ का नाम आज सुर्खियों में इसलिए है कि क्योंकि उन्हें एनडीए ने अपना उप राष्ट्रपति पद का दावेदार बनाया है। बहुमत के आधार पर उनकी जीत भी सुनिश्चित मानी जा रही है। इसलिए ना केवल किठाना, झुंझुनू बल्कि पूरे राजस्थान में खुशी की लहर है। उनके जीवन के संघर्ष और आगे बढने की जिद आज उन्हें देश के दूसरे सबसे बड़े पद तक पहुंचाने में कामयाब हुई है। उनके साथ पढने वाले और बुहाना के पूर्व प्रधान हरपालसिंह ने बताया कि जब कक्षा छह और सात में जगदीप धनखड़ अपने गांव से पैदल पढने के लिए आते थे। तो हर कोई बच्चा उनसे प्रेरणा लेता था। हालांकि हरपालसिंह स्कूल में जगदीप धनखड़ से एक क्लास सीनियर थे। लेकिन हरपालसिंह बताते है कि उस समय भी जगदीप धनखड़ की पढाई को लेकर कैचिंग पॉवर काफी अच्छी थी। जिसकी टीचर्स भी प्रशंसा करते थे। यही नहीं उनके पिता गोकुलचंद भी माने हुए जमीदार हुए करते थे। लेकिन उसका जरा सा भी रौब जगदीप में नहीं दिखा। वे पैदल ही चलकर स्कूल तक आया करते थे।

जब से गांव के लोगों को इसकी जानकारी लगी है। तब से गांव में मिठाई बांटने और एक-दूसरे को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। गांव के सुमेर सिंह और अनूप सिंह ने बताया कि पूरी रात गांव के लोगों ने खुशी मनाई और रिश्तेदारियों से भी फोन पर उन्हें बधाई मिल रही है। उप राष्ट्रपति के चुनाव होने के बाद जगदीप धनखड़ का गांव में जोरदार स्वागत किया जाएगा। हालांकि जिम्मेदारियां बढ जाने से उनके पास समय का अभाव होगा। लेकिन वे पश्चिम बंगाल का राज्यपाल बनने के बावजूद भी गांव में नियमित आते थे। ऐसे में उन्हें विश्वास है कि उप राष्ट्रपति बनने के बाद भी गांव को लेकर उनका लगाव कम नहीं होगा।

गांव के युवाओं और महिलाओं को आगे बढाने के लिए भी जगदीप धनखड़ लगातार प्रयास करते है। इसलिए उन्होंने अपने खुद के फॉर्म हाउस स्थित निवास में ना केवल युवाओं के लिए लाइब्रेरी खुलवा रखी है। बल्कि महिलाओं के लिए सिलाई सेंटर और विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर सेंटर खोल रखा है। जगदीप धनखड़ के परिवार के सदस्य कृष्ण धनखड़ ने बताया कि जीवनभर में जो उपलब्धियां हासिल कर जगदीप धनखड़ यहां तक पहुंचे है। इस दरमियान के सभी प्रतीक चिह्नों को आलमारी में सजाकर एक लाइब्रेरी संचालित की जा रही है। ताकि इन प्रतीक चिह्नों को देखकर गांव के युवा प्रेरणा लें और आगे बढ़े। इसके अलावा जगदीप धनखड़ की पत्नी सुदेश धनखड़ के प्रयासों से इसी के पास एक कमरे में सिलाई सेंटर शुरू किया गया है। जिसमें गांव की महिलाओं और युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई

सिखाई जाती है। वहीं बच्चों को तकनीक के साथ आगे बढाने के लिए कंप्यूटर सेंटर संचालित किया जाता है। तीनों में ही फ्री प्रशिक्षण विशेषज्ञों द्वारा दिया जाता है।

जिस सरकारी स्कूल में जगदीप धनखड़ पांचवीं तक पढ़े है। वह स्कूल अब तो 12वीं तक की हो गई। लेकिन आज भी स्कूल की यादें जगदीप धनखड़ की यादों में ताजा है। अब तक लाखों रूपए स्कूल के विकास में अपने पास से जगदीप धनखड़ भिजवा चुके है। वहीं जब भी गांव आते है। स्कूल में जाना नहीं भूलते। यही नहीं यहां के विजिटर बुक में अपनी शुभकामनाएं भी लिखते है। स्कूल की प्रिंसीपल सुमन थाकन ने बताया कि वे यहां आते है तो हमें बुलाते है या फिर खुद ही चलकर स्कूल तक आ जाते है। ना केवल हमें, बल्कि बच्चों को भी आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट करते है। साथ ही यह भी बताते है कि पढाई आज के समय में कितनी जरूरी है। साधन ना होने के कारण वे पैदल भी स्कूल में पढने के लिए चार किलोमीटर जाना और चार ही किलोमीटर आना होता था। लेकिन उन्होंने पढाई नहीं छोड़ी।

जगदीप धनखड़ के उम्मीदवार बनाए जाने के बाद पूरे झुंझुनू जिले में खुशी का माहौल है। हर तरफ मिठाई बंट रही और आतिशबाजी हो रही है। ना केवल किठाना गांव, बल्कि अन्य गांवों के लोग भी खुशी मनाकर इसे एक झुंझुनूं के लिए सुखद संकेत बता रहे है। जगदीप धनखड़ का उप राष्ट्रपति बनना किसी एक गांव, जिले के लिए नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए सौभाग्य की बात है। जब भी जगदीप धनखड़ झुंझुनू आते है। अपनों से मुलाकात के बिना नहीं जाते। वे वीआईपी कल्चर को छोड़कर एक बेटे, भाई और पैरेंट्स के रूप में सभी से मुलाकात करते है। जगदीप धनखड़ ने हमेशा सेवा को सर्वोपरी माना और यही कारण है कि आज एनडीए ने उनके नाम पर मुहर लगाकर राजस्थान के मान सम्मान को बढा दिया है।

आपको बता दें कि 2003 में भाजपा में शामिल होने के बाद जगदीप धनखड़ पार्टी के लिए काम किया। लेकिन उन्हें ना तो लोकसभा की टिकट मिली और ना ही विधानसभा का टिकट दिया गया। हालांकि उनका मकसद लोकसभा चुनाव लड़ना था। 16 साल तक भाजपा में एक आम कार्यकर्ता के रूप में काम करने के बाद उन्हें पहली बार उनके व्यक्तित्व, अनुभव और उनकी समझदारी के आधार पर पश्चिम बंगाल का गर्वनर बनाया गया था। अब तो उनके अनुभव और किसानों के साथ-साथ हर वर्ग के लिए किए कार्य को खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी माना है और उसे स्वीकार किया है। यही कारण है कि देश के दूसरे सबसे बड़े पद के लिए एक गांव के साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाले व्यक्ति का चुनाव किया गया है। जगदीप धनखड़ भी जिद, जुनून और जज्बे के पूरे पक्के है। 16 साल तक पार्टी द्वारा कोई जिम्मेदारी ना मिलने पर भी उन्होंने कभी भी पार्टी से अलग होने की नहीं सोची। यही नहीं वे एक बार झुंझुनू से चुनाव जीते और हारे। लेकिन कभी झुंझुनू के लोगों से शिकायत नहीं की। बल्कि जो बन पाया। वो करने के लिए हरदम तैयार रहे।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहतें हैं।)

कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है जीव

ईश्वर क्षेत्रज्ञ या चेतन है, जैसा कि जीव भी है, लेकिन जीव केवल अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है, जबकि भगवान समस्त शरीरों के प्रति सचेत रहते हैं। चूंकि वे प्रत्येक जीव के हृदय में वास करने वाले हैं, अतएव वे जीवविशेष की मानसिक गतिशीलता से परिचित रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता के रूप में वास कर रहे हैं और जैसा जीव चाहता है वैसा करने के लिए जीव को निर्देशित करते रहते हैं। जीव भूल जाता है कि उसे क्या करना है। पहले तो वह किसी एक विधि से कर्म करने का संकल्प करता है, लेकिन फिर वह अपने ही कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है। वह एक शरीर को त्याग कर दूसरा शरीर ग्रहण करता है। चूंकि इस प्रकार वह आत्मा देहांतरण कर जाता है, अत उसे अपने विगत (पूर्वकृत) कर्मों का फल भोगना पड़ता है। ये कार्यकलाप तभी बदल सकते हैं जब जीव सतोगुण में स्थित हो और यह समझे कि उसे कौन से कर्म करने चाहिए। यदि वह ऐसा करता है तो उसके विगत कर्मों के सारे फल बदल जाते हैं। इसीलिए हमने यह कहा है कि पांच तत्वों- ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल तथा कर्म में से चार शात हैं, कर्म शात नहीं है। परम चेतन ईश्वर जीव से इस मामले में समान हैं- भगवान तथा जीव दोनों की चेतनाएं दिव्य हैं। यह चेतना पदार्थ के संयोग से उत्पन्न नहीं होती है। ऐसा सोचना भ्रांतिमूलक है। किंतु भगवान की चेतना भौतिकता से प्रभावित नहीं होती है। भगवान कहते हैं- जब वे इस भौतिक वि में अवतरित होते हैं तो उनकी चेतना पर भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता। यदि वे इस तरह प्रभावित होते तो दिव्य विषयों के संबंध में उस तरह बोलने के अधिकारी न होते जैसा कि वे भगवद्गीता में बोलते हैं।

आँख वालों की रेवड़ी आज तो 'रेवड़ी' का पर्याय बनी राजनीति....?

ओमप्रकाश मेहता

अब तक तो कहावत यही थी कि ''अंधा बांटे रेवड़ी अपने-अपने को दे'', किंतु अब आज की राजनीति में आँख वाले अपने-अपनों को रेवड़ी बांट रहे है और ऊपर से गरिया रहे है कि- ''देश में रेवड़ी बांटने की राजनीति नहीं चलेगी।'' अरे भाई मोदी जी आप स्वयं अपनी पार्टी के गिरेबान में तो झांककर देखिये, भाजपा की रेवड़ी का हिसाब किताब समझिये, उसके बाद ऐसी गर्वोक्ति कीजिये? अरे भाई, आज तो रेवड़ी राजनीति का पर्याय बन चुकी है? आपने अपनी पार्टी में कांग्रेस के परिवारवाद को रोकने की कोशिश की, किंतु क्या वह रूक पाया? आज का यही कटु सत्य है कि भाजपा मोदी जी के नाम पर अपना अस्तित्व बनाकर रखना चाहती है, उनकी भावनाओं की कद्र करना नहीं चाहती, अब तक ऐसे कई उदाहरण सामने आए है। पिछले आठ साल इसके गवाह है। इस अवधि में प्रधानमंत्री के रूप में जितने भी क्रांतिकारी फैसले लिए, उनमें क्या भाजपा पूरी तरह उनके साथ रही, बल्कि भाजपा के कई छदम् चेहरों ने उनको अस्वीकार किया, फिर वह चाहे कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का मामला हो या समान आचार संहिता कानूनी अब मोदी जी ने 'रेवड़ी' बांटने की बात छेड़ दी, वह भी बिना अपनी पार्टी की विगत पर ध्यान दिये। जिस रेवड़ी की आज बात की जा रही है, क्या कभी स्व. अटल जी तथा वरिष्ठ नेता आड़वानी जी व डॉ. मुरली मनोहर जोशी जी ने कटाक्ष नहीं किये थे? गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए क्या मोदी जी पर अपनों को रेवड़ियां बांटने के आरोप नहीं लगे थे? अरे भाई.... आज की राजनीति का मुख्य आधार ही 'रेवड़ी' है आदरणीय आप उसे कहां-कहां तक रोकेगें?

भारतीय राजनीति में आजादी के बाद से ही 'रेवड़ियों' की परम्परा जारी है, फिर वह चाहे प्रथम प्रधानमंत्री पं. नेहरू का कार्यकाल हो या उनकी बेटी इंदिरा जी का? हर बार पदों और पैसों के रूप में रेवड़ियां बांटी गई। कभी स्वयं को मजबूत करने के लिए तो कभी अपने 'चमचों' को? किंतु आज तक भारतीय राजनीति 'रेवड़ियों' से अछुती नहीं रही? अब चाहे आदरणीय मोदी जी ने अरविंद केजरीवाल को निशाना बनाते हुए 'रेवड़ी' रोकने का संकल्प लिया हो, किंतु क्या इससे 'रेवड़ियों' की 'बंदरबांट' रूक पायेगी? अब तो भारतीय राजनीति में 'रेवड़ियां' इतने अंदर तक समा चुकी है कि उसे मोदी जी तो क्या, कोई भी बाहर नहीं कर सकता और जब 'रेवड़ी' के साथ 'मुफ्त' लग जाता है तो फिर इसकी महत्ता और भी बढ़ जाती है। इसलिए मान्यवर मोदी जी यदि आपकी भावनात्मक अपील पर आप की स्वयं की पार्टी में ही ईमानदारी से अमल हो जाए तो वह काफी है, किंतु भारत की समूची राजनीति से 'रेवड़ी' को बाहर करना बहुत ही दुष्कर कार्य है, क्योंकि भारत की राजनीति सिर्फ भाजपा तक ही सीमित नहीं है, अन्य भी एक दर्जन से अधिक प्रमुख दल है और वे आपके अनुयायी बनें, यह जरूरी नहीं?

और.... यदि मौजूदा भारतीय राजनीति का ईमानदारी से गहराई से विश्लेषण किया जाए तो क्या भारतीय राजनीति माँ गंगा की तरह पवित्र है, क्या सत्तारूढ़ हमारे राजनीतिक दल अपने 'संकल्प-पत्र' (जिसके बल पर जीत कर आते है) को मूर्तरूप अपनी पार्टी के पैसे से देते है? स्वयं सुप्रीम कोर्ट भी इस मुफ्त रेवड़ियां बांटने की मौजूदा राजनीति पर टिप्पणी कर चुका है, अब चाहे इसे हमारी प्रजातंत्रीय प्रणाली का दोष माना जाए या राजनीतिक 'सत्ता लिप्सा' का, किंतु यह तो हमारी आजादी के बाद से ही जारी है और यदि अब 'अमृत महोत्सव' के दौर में मोदी जी इस ''रेवड़ी कल्चर'' को यदि खत्म कर पाते है तो यह भारत को मोदी की सबसे बड़ी 'देन' मानी जाएगी।

एमएसपी की ओर

सूडोकु नवताल- 6138

★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल - 6137 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

सिद्धार्थ शंकर

केंद्र सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर एमएसपी और किसानों की अन्य मांगों को लेकर एक कमेटी का गठन कर दिया है। जीरो बजट आधारित कृषि को बढ़ाना देने, फसल का पैटर्न बदलने और न्यूनतम समर्थन मूल्य को ज्यादा असरदार व पारदर्शी बनाने के लिए एक समिति का गठन कर दिया गया है। समिति न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रणाली को मजबूत करने के उपाय सुझाएगी। बताया जा रहा है कि कमेटी में 16 सदस्यों को नामित किया गया है। कमेटी में दस लोगों की जगह सरकारी अधिकारियों के लिए रखे गए हैं। संयुक्त किसान

मोर्चा की ओर से कोई नाम नहीं दिए जाने के कारण कमेटी में उस के किसी प्रतिनिधि को जगह नहीं मिली है। हालांकि, तीन स्थान उसके लिए खाली रखा गया है। यानी कमेटी में अध्यक्ष समेत कुल 29 सदस्य होंगे। पूर्व कृषि सचिव संजय अग्रवाल को अध्यक्ष बनाया गया है। संयुक्त सचिव (फसल) कमेटी के सदस्य सचिव होंगे। कमेटी बनाने के साथ ही सरकार ने अपना एक वादा पूरा कर दिया है, जिसे लेकर एक साल से भी ज्यादा समय तक किसान आंदोलनरत थे। कुछ महीनों बाद गुजरात और हिमाचल के चुनाव हैं। अगले साल कई राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं और इसके बाद लोकसभा चुनाव। ऐसे में, सरकार को लगा होगा कि किसानों की

नाराजगी को नजरअंदाज करना राजनीतिक रूप से काफी जोखिम-भरा साबित हो सकता है। सरकार की कमेटी गठन की घोषणा इसलिए भी सही है क्योंकि एमएसपी की घोषणा के बाद भी, कई जगह उस दर पर खरीद के लिए किसानों को आंदोलन करना पड़ता है। दरअसल, एमएसपी का मसला ऐसा है जिस पर कृषि विशेषज्ञ और अर्थशास्त्रियों के बीच भी आम राय आसानी से नहीं बनती दिखती। जहां एक वर्ग का मानना है कि एमएसपी कानून बनने से ही छोटे किसानों को उपज का लाभ मिल पाएगा, वहीं ऐसा नहीं मानने वाला वर्ग कहीं ज्यादा बड़ा है। इसीलिए सरकार इस मुद्दे पर कोई राय नहीं बना पा रही थी। मगर अब इस दिशा में पहल शुरू हो गई है। हालांकि एमएसपी की व्यवस्था देश में छठे दशक के दौरान खाद्यान्न संकट के दौरान शुरू की गई थी, ताकि सरकार किसानों से उपज खरीदे और भंडार भरे। यह किसानों के हित के लिए ही किया गया था। पर आज सरकारी गोदाम गेहूं, चावल आदि से अटे पड़े होने का दावा किया जा रहा है। बात यहीं खत्म नहीं होती। विश्व व्यापार संगठन खाद्यान्न खरीद पर सब्सिडी का विरोध करता रहा है। ऐसे में अगर सब्सिडी बढ़ती रही तो निर्यात का संकट खड़ा हो जाएगा। कहा यह भी जाता रहा है कि एमएसपी से छोटे और सीमांत किसानों को कोई लाभ नहीं होता है, सिर्फ पांच-छह फीसद बड़े किसान ही इसका फायदा उठाते हैं। इससे तो एमएसपी व्यवस्था की प्रासंगिकता पर ही सवाल खड़ा हो जाता है। इस बात से कोई इनकार नहीं करेगा कि किसानों को उपज का पूरा दाम मिलना चाहिए। अगर मौजूदा व्यवस्था से समाधान नहीं निकल रहा है तो इस के लिए नए उपायों पर विचार किया जाना चाहिए। एमएसपी संकट का हल तो कृषि विशेषज्ञों, कृषि अर्थशास्त्रियों और किसान संगठनों के नुमाइंदों की समिति को ही खोजना होगा। प्रधानमंत्री इस मसले पर समिति बनाने की बात कह चु के हैं। दरअसल, पूरी दुनिया में कृषि और कृषि बाजार का स्वरूप बदल रहा है। हम बाजार आधारित वैश्विक अर्थव्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बन चु के हैं। ऐसे में वक्त के साथ बदलने की जरूरत है। सबसे बड़ी बात तो यही कि जो भी कदम उठाए जाएं, वे मुट्ठीभर किसानों के हितों के लिए नहीं हो, बल्कि अस्सी फीसद से ज्यादा छोटे और मझोले किसानों के हितों को पूरा करने वाले हों।

भारत में हिंदू अल्पसंख्यक हैं?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

सर्वोच्च न्यायालय में आजकल एक अजीब-से मामले पर बहस चल रही है। मामला यह है कि क्या भारत के कुछ राज्यों में हिंदुओं को अल्पसंख्यक माना जाए या नहीं? अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक होने का फैसला राष्ट्रीय स्तर पर होना चाहिए या राज्यों के स्तर पर? अभी तक सारे भारत में जिन लोगों की संख्या धर्म की दृष्टि से कम है, उन्हें ही अल्पसंख्यक माना जाता है। इस पैमाने पर केंद्र सरकार ने मुसलमानों, ईसाइयों, पारसियों, सिखों, बौद्धों और जैनियों को अल्पसंख्यक होने की मान्यता दे रखी है। यह मान्यता इन लोगों पर सभी प्रांतों में भी लागू होती है। जिन प्रांतों में ये लोग बहुसंख्यक होते हैं, वहां भी इन्हें अल्पसंख्यकों की सारी सुविधाएं मिलती हैं। ऐसे समस्त अल्पसंख्यकों की संख्या सारे भारत में लगभग 20 प्रतिशत है। अब अदालत में ऐसी याचिका लगाई गई है कि जिन राज्यों में हिंदू अल्पसंख्यक हैं, उन्हें वहां भी बहुसंख्यक क्यों माना जाता है? जैसे लद्दाख, मिजोरम, लक्षद्वीप, कश्मीर, नागालैंड, मेघालय, पंजाब, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में हिंदुओं की संख्या सिर्फ 1 प्रतिशत से लेकर ज्यादा से ज्यादा 41 प्रतिशत है। इन राज्यों में उन्हें अल्पसंख्यकों को मिलनेवाली सभी सुविधाएं क्यों नहीं दी जातीं? यही बात भाषा के आधार पर भी लागू होती है। यदि महाराष्ट्र में कन्नड़भाषी अल्पसंख्यक माने जाएंगे तो कर्नाटक में मराठीभाषी अल्पसंख्यक क्यों नहीं कहलाएंगे? यदि अल्पसंख्यकता का आधार भाषा को बना लिया जाए तो भारत के लगभग सभी भाषाभाषी किसी न किसी प्रांत में अल्पसंख्यक माने जा सकते हैं। सर्वोच्च न्यायालय इस मुद्दे पर जो बहस चलाएगा, वह बंधे-बंधाए घेरे में चलाएगा और उक्त कुछ राज्यों में हिंदुओं को शायद वह अल्पसंख्यकों का दर्जा भी दे दे। लेकिन यह अल्पसंख्यकवाद ही मेरी राय में त्याज्य है। देश के किसी भी व्यक्ति को जाति, धर्म और भाषा के आधार पर अल्पसंख्यक या बहुसंख्यक का दर्जा देना अपने आप में गलत है। यदि यह राज्यों में भी सभी पर लागू कर दिया गया तो यह अनगिनत मुसीबतें खड़ी कर देगा। हर वर्ग के लोग सुविधाओं के लालच में फंसकर अपने आप को अल्पसंख्यक घोषित करवाने पर उतारु हो जाएंगे। इसके अलावा राज्यों का नक्शा बदलता रहता है। जो लोग किसी राज्य में आज बहुसंख्यक हैं, वे ही वहां कल अल्पसंख्यक बन सकते हैं। जाति, धर्म और भाषा के आधार पर लोगों को दो श्रेणियों में बांटकर रखना राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से भी उचित नहीं है।

इन क्षेत्रों में तेजी से मिलेगी सफलता

अगर आप तेजी से सफलता हासिल करना चाहते हैं तो पारंपरिक कोर्स की जगह नये कोर्स करें। समय और जरुरतों के अनुसार कारोबार जगत की मांगें बदलती रहती हैं। आजकल कुछ ऐसे कोर्स आये हैं जिनको कर आप आसानी से नौकरी हासिल कर सकते हैं और अपना स्वयं का काम भी शुरु कर सकते हैं।

कॉरपोरेट लॉ

लीगल सेक्टर में रूचि रखने वाले स्टूडेंट्स अब कॉरपोरेट लॉ में अपना करियर बना रहे हैं। नौकरी और कमाई के अच्छे अवसर होने की वजह से आप भी इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। हाल ही के कुछ सालों में कॉरपोरेट लॉ के मामले में वकालत में भी खास बदलाव आया है। कॉरपोरेट्स लॉयर, कॉरपोरेशंस को उनके कानूनी अधिकारों और सीमाओं के बारे में सलाह देते हैं। कॉरपोरेट लॉ एक व्यापक व आकर्षक करियर बन गया है। कॉरपोरेट लॉयर अपने क्लाइंट्स को कानूनी तरीके से कारोबार करने में मदद करता है। उसकी जिम्मेदारी नई फर्म के लिए शुरुआती दस्तावेज तैयार करने से लेकर कॉरपोरेट ऑर्गनाइजेशन करने तक की रहती है। कंपनियां लीगल को अपने कारोबार के कोर स्ट्रेटेजिक फैक्टर के रूप में हैं, इसलिए स्वतंत्र वकीलों और इन-हाउस लीगल टीम की मांग लगातार बढ़ी है। रोजगार के बाजार में वकीलों की मांग अचानक बहुत तेजी से बढ़ी है। एक अनुमान के मुताबिक भारतीय फर्म पिछले साल से दोगुनी संख्या में वकीलों को नौकरी पर रखेंगी। मांग न केवल सीनियर पोजीशन पर बढ़ी है, बल्कि प्रवेश स्तर पर भी बढ़ी है।

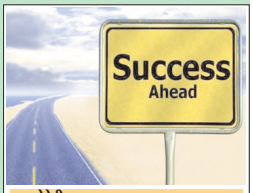

स्पा थेरेपी

हाल के दिनों में सेवा क्षेत्र में बेहद तेजी आयी है।यह कोर्स कोई भी कर सकता है, बशर्ते उसे लोगों को मानसिक और शारीरिक रूप से आराम पहुंचाने में रुचि हो और वह उसमें अपना करियर बनाने की इच्छा रखता हो। पहले साल में शुरुआती वेतन 1 से 2 लाख रुपये तक हो सकता है। आप अपना स्वयं का स्पा सेंटर भी खोल सकते हैं।

ब्रांड प्रबंधन

अगर आपके अंदर अच्छी चीजों के प्रति गहरा लगाव है तो लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट आपके लिए अच्छा करियर हो सकता है। भारत में जिस तरह से दिनों दिन लग्जरी मार्केट विकसित होती जा रही है, उसे देखते हुए इस क्षेत्र में दक्ष पेशेवरों के लिए काफी अवसर निकलते जा रहे हैं।

टी टेस्टिंग

आजकल चाय का स्वाद बढ़ाने के लिए चाय की पत्ती बनाने वाली कंपनियां लंबे समय से पेशेवर टी टेस्टरों की सेवाएं लेती आ रही हैं। ये टी टेस्टर चाय की पत्ती के स्वाद, उसकी क्वालिटी और तैयारी को जांचने के लिए पेशेवरों को नौकरी पर रखती हैं।

एथिकल हैकिंग

हाल के दिनों में साइबर अपराधों के बढने के साथ ही सरकारी के साथ ही निजी क्षेत्रों में हैकरों की मांग बढ़ती जा रही है। एथिकल या वैध हैकर कॉरपोरेट नेटवर्क की तह में जाता है और उसकी सुरक्षा के लिए कुछ नए उपाय निकालता है। इसमें शुरुआती वेतन प्रति माह 27,000 से 30,000 रुपये मिल सकते हैं।

अगल-अलग भाषाएं सीख कर पायें अच्छी नौकरी

अगर आप तेजी से आगे बढ़ना चाहते हैं तो हिंदी और अंग्रेजी के साथ ही अलग-अलग भाषाएं सीखना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। अलग-अलग और नई तरह की भाषा आपको एक अच्छी नौकरी भी दिला सकती है। अगर इन भाषाओं का ज्ञान हिंदी के साथ हो तो आपको नौकरी मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

स्पेनिश: अगर किसी भाषा को वाकई वैश्विक भाषा का दर्जा मिल सकता है तो वो स्पेनिश है। दुनिया भर में इस भाषा से जुड़े रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। अमेरिका में बड़ी संख्या में ऐसे लोग रहते हैं, जो स्पेनिश बोलते हैं। इसके अलावा मुसाफिरों की तादाद भी काफी है। इसे सीखना तुलनात्मक रूप से आसान है। स्पेन के अलावा ये भाषा दक्षिण अमेरिका के कई देशों और मेक्सिकों में भी बोली जाती है।

जर्मन: जर्मनी के अलावा स्विटजरलैंड में भी ये भाषा काफी प्रचलित है और ये दोनों देश यूरोप में कारोबार का केंद्र माने जाते हैं। ऐसे में ये भाषा कारोबार के लिहाज से अहम है।

फ्रेंच- दुनिया भर में 20 करोड़ से ज्यादा लोग यह भाषा बोलते हैं। दुनिया के 40 से ज्यादा देशों में आप फ्रेंच बोल-सुन सकते हैं। ये 8 देशों की भाषा है और संयुक्त राष्ट्र में इसे आधिकारिक दर्जा हासिल है।

अंग्रेजी: अंगेजी का महत्व आपको पता ही है। लंदन, अमेरिका समेत यूरोप में प्रमुख तौर पर बोली जाने वाली भाषा है। इससे करियर की असीम संभावनाएं आपके लिए खुलती हैं।

जापानी- अंग्रेजी में कई ऐसे शब्द हैं, जो इसी भाषा में पहुंचे हैं। अगर एशिया के रोबोटिक केंद्र में जगह बनानी है तो जापानी सीखना अनिवार्य समझ लीजिए।

अरबी: 30 करोड़ लोग यही भाषा बोलते हैं। दुबई और आबु धाबी जैसे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्रों की भाषा है। ये भाषा कई क्षेत्रों में रोजगार दिला सकती है। पश्चिम एशिया और अफ्रीका के कई देशों में ये भाषा इस्तेमाल होती है।

अच्छी नौकरी के लिए अपनायें ये टिप्स

हर किसी युवा का सपना होता है कि उसे जल्दी से जल्दी नौकरी मिल जाए। खास करके अगर उनकी उम्र 20-25 साल हो। कुछ छात्र कॉलेज से निकलने के बाद भी संशय में होते हैं कि उन्हें क्या करना है। अगर आप जल्दी नौकरी करना चाहते हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखें।

प्रोफाइल बनाएं: सबसे पहले बारी आती है मजबूत प्रोफाइल की और अच्छे प्लेटफॉर्म की।

अपने रिज्यूमे को अपडेट करें: अगर आप बेहतरीन नौकरी चाहते हैं तो अपने रिज्यूमे को लगातार अपडेट करना न भूलें। पुराना रिज्यूम किसी भी कंपनी को न भेजें।

इंटर्नशिप करें: आपके लिए जितनी जल्दी संभव हो, इंटर्नशिप शुरू कर दें। सारे स्टूडेंट्स जानते हैं कि नौकरी पाने के लिए इंटर्नशिप करना कितना जरूरी है लेकिन वे इस ओर ध्यान नहीं देते हैं। आप चाहें तो कॉलेज की छुट्टियों में इंटर्नशिप कर सकते हैं। हो सकता है कि यह आपको अच्छी जॉब ही दिला दें।

मेंटर जरूर खोजें: हमारे जीवन में कुछ भी अच्छा करने के लिए हमें एक मेंटर की जरूरत होती है। एक ऐसा मेंटर जो आपको अच्छी तरह जानता हो और आप उसे बेहतर जानते हों। ज्यादातर भारतीय स्टूडेंट्स अपने माता-पिता को ही अपना मेंटर मानते हैं यह एक अच्छी बात है। मगर परिवार से हट कर भी आपका एक मेंटर होना चाहिए जो आपको कुछ करने के लिए उत्साहित करे। खासकर के आप जिस फील्ड में जाना चाहते हैं, उससे जुड़ा हुआ एक मेंटर जरूर खोजें।

प्रोफेशनल डेवलपमेंट ग्रुप ज्वॉइन करें: अपने कॉलेज के दिनों से ही प्रोफेशनल ग्रुप को ज्वॉइन करना शुरू कर दें। इसके लिए आप अपने कॉलेज के एल्यूमनाई से भी जुड़ सकते हैं। ऐसा करने से आपको पेशेवरों के बारे में जानकारी मिलेगी। यहीं से आप नेटवर्किंग भी शुरू कर सकते हैं। हो सकता है कि इन्हीं ग्रुप्स में से कोई आपको जॉब ऑफर कर दें।

अपडेट रहें: अगर आप नौकरी चाहते हैं और जिस फील्ड में नौकरी चाहते हैं उसके लेकर अपडेट रहें, देखें- मार्केट में उस नौकरी की कितनी डिमांड कहां और कब है।

ऑफिस में इन बातों का रखें ध्यान

ऑफिस में अपने सहकर्मी से अच्छे संबंध बनाना जरूरी है। ऐसा भी होता है ये सहकर्मी आपके अच्छे दोस्त बन जाते हैं जिसके बाद आप कई बातें शेयर करने लगते हैं। यदि आप ऐसा करते हैं तो इसका नुकसान आपको भविष्य में उठाना पड़ सकता। हर बात आपको ऑफिस के दोस्तों से साझा नहीं करनी चाहिए।

काम से परेशानी

हर कर्मचारी को अपने काम से कुछ शिकायत होती है, लेकिन अपने ऑफिस के लोगों को बताना शुरू न कर दें। इसका असर आपकी छवि पर पड़ सकता है, लोगों को लगेगा कि आप हमेशा अपनी परेशानियां साझा करते रहते हैं।

दूसरे साथियों की बुराई

अगर आपको किसी साथी से दिक्कत है तो अपने सीनियर से इसकी बात करें। अगर आपको निजी तौर पर उससे कोई दिक्कत है तो उससे ही बात करें। कभी भी दूसरे साथी के बारें में अन्य साथी को ना बताएं क्योंकि भविष्य में ये आपके लिए परेशानी का कारण भी बन सकता है.

निजी बातें ना करें शेयर

ऑफिस में भले ही आपके खास मित्र हैं, लेकिन अपनी निजी बातें साझा ना करें। जब कभी भी आप ऐसा करते हैं, तो साथी आपकी निजी बातों का कोई फायदा उठा सकता है। बॉस से हर कर्मचारी को कोई ना कोई दिक्कत होती है। इसलिए अगर कोई दिक्कत हो तो किसी अन्य कर्मचारी से इस बारें में बात ना करें। कभी कभी ऐसी बातें आपके लिए दिक्कत पैदा कर सकती हैं।

कमाई और खर्च

भले ही हर कंपनी अपने कर्मचारियों को एक-दूसरे को वेतन बताने से मना करती है लेकिन अक्सर लोगों को यह बात पता चल ही जाती है। फिर भी खुलकर अपने वेतन या कमाई पर बात न करें।

अपना करोबार शुरू करते समय इन बातों का ध्यान रखें

अगर आप अपना कारोबार करने की योजना बना रहे हैं और चाहते हैं कि आपका काम सफल हो, तो कुछ बातों का ध्यान रख कर आप अपना कारोबार बढ़ा सकते हैं। इससे आपको लाभ ही होगा। इन नियमों का पालन करें।

सकारात्मक रहें

आपको ऐसे लोग मिल जाएंगे जो कहेंगे इस कारोबार में नुकसान है, कोई फायदा नही है। इसलिए सफलता चाहते हैं तो उसे दिन-प्रतिदिन एक बड़े स्तर पर ले जाने की कोशिश करें और सकारात्मक सोचे।

दृढ़ता के साथ काम करें

अपने लक्ष्य के लिए कितने गंभीर है, ये आपके दृढ़ लक्ष्य पर निर्भर करता है। एक कारोबार में लाभ और हानि दोनों हो सकती है, लेकिन इन सब के बारे में ना सोचकर आप एक दृढ़ विश्वास के साथ आगे बढ़ते रहें। ऐसे में सफलता जरुर मिलेगी।

योजना के साथ काम करें

कोई भी कारोबार एक योजना के बिना अधूरा है। कब क्या करना है, कैसे करना है, आप कितने पैसे कहां लगाना चाहते हैं। ये सब कुछ आप की योजना में शामिल होना आवश्यक है।

जिसमें एक्सपर्ट हों वहीं करें

आप एक कारोबार शुरू करने जा रहे हैं तो जरूरी नहीं है कि आप सब कुछ स्वयं कर लेंगे। जिस चीज में आप बेहतर हैं, सिर्फ वही करें सभी कामों में हाथ ना डालें।

सेहत का रखें ख्याल

जितना काम जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा जरूरी आपकी सेहत है। अगर किसी वजह से आपके कारोबार में नुकसान हो जाता है, तो उसका असर सेहत पर ना पड़ने दें।

12वीं के बाद कर सकते हैं ये कोर्स

12वीं पास करने के बाद बहुत से छात्र ऐसे होते हैं जिन्हें आगे की पढ़ाई नहीं करना चाहते बल्कि वे कोई प्रोफेशनल कोर्स करने के बाद सीधे नौकरी या कोई काम धंधा करना चाहते हैं। ऐसे में छात्रों के लिए हम कुछ कोर्सों के बारे में सुझाव दे रहे हैं जिन्हें करने के बाद वे अच्छे खासे पैसे कमा सकते हैं। कोशिश करें यहां हम जो कोर्स बताने जा रहे हैं उन्हें किसी अच्छे संस्थान से करें। ये कोर्सेस 6 माह के सर्टिफिकेट से लेकर दो साल तक के डिप्लोमा या चार साल के डिग्री कोर्स भी हैं। आप इन्हें अपनी जरूरत के अनुसार चुन सकते हैं-

एनिमेशन डिजाइनिंग

इन दोनों प्रोफेशनल कोर्सेज में ड्राइंग, डिजाइनिंग और डिजाइनिंग के सॉफ्टवेयर से जुड़ी तकनीकी जानकारी का पता होना चाहिए। इसके अलावा आप बैचलर ऑफ फाइन आर्ट की भी पढ़ाई कर सकते हैं। अगर आप क्रिएटिव हैं तो आपके लिए इससे अच्छा कोर्स नहीं है। जिन लोगों की ड्राइंग अच्छी हो या चित्रकारी में उनका हाथ सधा हो ऐसे लोगों के लिए ये कोर्स बेहतर हो सकता है। एनिमेशन और ग्राफिक डिजाइन कोर्सेज के बाद तकरीबन न्यूनतम 3 लाख से 5 लाख रुपए सालाना की सैलरी मिल सकती है। नौकरी के अलावा इस क्षेत्र में फ्री लॉसिंग से भी पैसा कमा सकते हैं।

ज्वैलरी डिजाइनर का कोर्स

ज्वैलरी का शौक और जरूरत की भारत में सैकड़ों साल पुरानी रिवाज है। यहां शादी-विवाहों से लेकर हर विशेष अवसर पर लोग फैशनेबल ज्वैलरी जरूर खरीदते हैं। फैशन के शौकीन लोग जूलरी के आकर्षक डिजाइन को तरजीह देते हैं। दुनिया में भारत का सबसे बड़ा रत्न और आभूषण बाजार है लेकिन यह उद्योग ज्यादातर असंगठित क्षेत्र में है, जहां सोने पर ज्यादा तवज्जो दी जाती है। बड़ी कंपनियों के इस सेक्टर में कदम रखने के साथ अब सोने के अलावा रत्नों और पत्थरों की लोकप्रियता भी बढ़ गई है। ज्वैलरी डिजाइनिंग कोर्स में आपको पत्थरों के विभिन्न प्रकार, कलर स्कीम, डिजाइन थीम, परजेंटेशन और फ्रेमिंग, इंडिविजुअल जूलरी पीस का डिजाइन करना, पुरुषों की जूलरी, कॉस्ट्युम जूलरी, कॉस्टिंग वगैरह के बारे में बताया जाता है।

टॉप संस्थान-

- एनआईएफटी कैंपस, गुलमोहर पार्क के सामने, हौज खास, नई दिल्ली
- श्रीमती नाथीबाई दामोदर ट्रेनिंग (एसएनडीटी) विमिन यूनिवर्सिटी, मुंबई
- जेम ऐंड जूलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, राजस्थान भवन, जयपुर
- ज्यूलरी डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट, स्मॉल इंडस्ट्रीज सर्विस इंस्टिट्यूट, चेन्नै

इंटीरियर डिजाइनिंग

ये कोर्स उन छात्रों के लिए अच्छा है जो क्रिएटिव तो है हीं साथ डी उन्हें घर सजाना अच्छा लगता है। बस इंटीरियर डिजाइनिंग में उन्हें क्लाइंट की जरूरतों के हिसाब से इंटीरियर डिजाइन करना होता है। इंटीरियर डिजाइनिंग में लोग घरों, ऑफिसों में आकर्षक लुक देने के अलावा स्पेस का बेहतर इस्तेमाल करना भी बताते हैं। इसलिए इस कोर्स को करने वालों को क्रिएटिन, कम्यूनिकेट होने के साथ-साथ इमेजिनेटिव भी होना चाहिए। इंटीरियर डिजाइनिंग में कई संस्थान डिप्लोमा कोर्स मुहैया करा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों के लिए आप 12वीं के बाद आवेदन कर सकते हैं। बतौर इंटर्न 20 हजार रुपये महीना कमा सकता है। बड़े डिजाइनर एक से दो रूम के लिए दो से तीन लाख रुपये बतौर कंसल्टेंसी मांग लेते हैं।

फैशन डिजाइनिंग

फैशन डिजाइनिंग एक आर्ट है जिसमें आप कपड़ों और एक्सेरीज की डिडाइनिंग करते हैं। इसके लिए सिर्फ स्केचिंग ही जरूरी नहीं होता बल्कि इसमें कई कोर्सेज हैं, जैसे फैब्रिक डाइंग एवं प्रिंटिंग, कम्प्यूटर एडेड डिजाइन, एक्सेसरीज एवं ज्वैलरी डिजाइनिंग, मॉडलिंग, गारमेंट डिजाइनिंग, लेदर डिजाइनिंग, इंटीरियर डिजाइनिंग, टैक्सटाइल डिजाइनिंग, टेक्सटाइल साइंस, अपैरल कंस्ट्रक्शन मेथड जैसे कोर्सेज शामिल होते हैं। फैशन डिजाइनिंग के कोर्सेज कर आप अनुभव पाकर 25,000 से 50,000 रुपए महीना कमा सकते हैं।

दुकान के लिए सामान लेने घर से निकला वृद्ध, डम्फर के नीचे आया, हुई मौत

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह-भिंड भांडेर रोड पर बुधवार को एक बृद्ध की डम्फर से कुचल कर मौत हो गई।जानकारी के अनुसार ग्रतक की पहचान शिवदयाल दौहरे उम्र लगभग 65 साल निबासी बीज गोदाम दबोह के रूप में हुई।जानकारी के अनुसार वृद्ध साइकिल से किराने की दुकान का सामान लेने बाजार आया था।वह सामान लेकर वापस अपने घर जा रहा तभी भिण्ड भाण्डेर रोड पर गणेश चौक पर आकाश किराना की दुकान के पास ग्रतक डम्फर के बगल से निकलने लगा तभी उसकी साइकिल का बैलेंस बिगड़ गया और वह डम्फर के टायरो के बीच आ गया।जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई।दबोह पुलिस मोके पर पहुंची इसके बाद लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लहार स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया।तदोपरांत दबोह पुलिस ने डम्फर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना में जुटी।वहीं उमेश कुमार जाटव ने थाना पहुँचकर जुबानी रिपोर्ट किया और बताया कि शाम 04 बजे मैं और दादा जी साइकिल से अपने घर से दुकान की सौदा लेने बाजार आये थे मैं उनके पीछे चल रहा था जैसे ही गणेश चौक के आगे आकाश गुप्ता की दुकान के सामने पहुंचे तभी लहार तरफ स्व डम्फर क्र 92ञ्ज 3712 का चालक तेजी व लापरवाही से चलाकर लाया और मेरे दादा जी मे टक्कर मार दी जिससे दादा जी डम्फर में फंस गए और पिछला टायर उनके सिर पर चढ़ गया।जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।फिलहाल तो पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी पर 304ए के तहत मामला दर्ज कर लिया है और फरार आरोपी की तलाश में जुट गई गई।

रत्नौद सीएमओ का कार्य ग्रामीण लोगों के लिए रामबाण साबित हुआ

हरिओम परिहार संवाददाता

रत्नौद रत्नौद नगर परिषद सीएमओ द्वारा ग्रामीण लोगों के लिए उनका कार्य रामबाण साबित हो रहा है इसी क्रम में ग्रामीण लोग बेहद खुशी जाहिर कर रहे हैं एक ईमानदार अफसर नगर परिषद रत्नौद सीएमओ आए दिन लोगों की सेवा पर हमेशा ही तत्व पर आगे रहते हैं इसलिए ग्रामीण अंचल के लोग उनकी कार्यकारिणी से बेहद खुश हैं और उनके लिए नगर परिषद रत्नौद में सब श्रेष्ठ अधिकारियों में से एक माने जाते हैं नगर परिषद सीएमओ द्वारा कहा गया है कि हमारा दायित्व है कि जनता का हम भरपूर ख्याल करें और उनके कार्यों पर विशेष ध्यान दें क्योंकि जब लोगों की समस्याओं को हम लोग हल करेंगे तभी एक नए अध्ययन की शुरुआत होगी इसीलिए निस्वार्थ और जनता का कार्य समय-समय पर करना चाहिए जिससे नगर परिषद में कोई भी लोग बिना कामकाज के अधूरा नहीं रहे सभी को शासन के योजनाओं का लाभ सीधा सीधा लोगों के बीच जाना चाहिए

रत्नौद से हरिओम परिहार की रिपोर्ट

पशु चिकित्सालय पर डॉक्टर नहीं बैठने से लोग परेशान शिकायत के बाद भी हल नहीं

गौरव शर्मा पुष्पांजलीं टुडे

पहाड़गढ़। पहाड़गढ़ क्षेत्र के ग्राम कन्हार मैं बने पशु औषधालय पर आए दिन ताला लगा रहता है ग्रामीणों द्वारा कई बार 181 पर कंप्लेंट कर चुके हैं मगर डॉक्टर साहब के ऊपर शिकायतों का हुई असर नहीं हो रहा है इसके कारण ग्रामीण जनों को मवेशी का इलाज कराने में काफी दिक्कत आ रही है मजबूरी में प्राइवेट डॉक्टर से इलाज कराना पड़ता है ग्रामीणों का कहना है कि हमने 7 माह पूर्व डॉक्टर दीपक तिवारी की शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर की थी मगर आज दिनांक तक कोई भी शिकायत का निराकरण नहीं किया गया डॉक्टर अस्पताल पर बैठने की वजह शिकायत बंद कराने के लिए रिश्तेदारों पर डाल रहे हैं दबाव डॉक्टर दीपक तिवारी शिकायतकर्ता के रिश्तेदार द्वारा शिकायत बंद कराने के लिए दबाव बना रहे हैं

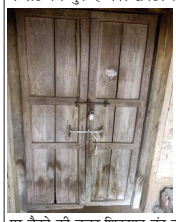

उपमा प्रमोद श्रीवास्तव के जन्म दिवस के उपलक्ष में हवन पूजन एवं फल वितरण किये गए

ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

सेवढा।। समाज सेवा टीम की मार्गदर्शक परम सहयोगी उपमा प्रमोद श्रीवास्तव के जन्म दिवस के उपलक्ष में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी संकुआ धाम पहुंचकर समाज सेवा टीम के सदस्यों द्वारा हवन पूजन एवं फल वितरण कर परम सम्माननीय उपमा प्रमोद श्रीवास्तव का जन्मदिन बड़े ही धूमधाम से मनाया एवं उनके उत्तम स्वास्थ्य दीर्घायु जीवन की कामना की जिसमें श्री श्री 1008 नंदकिशोर शरण महाराज संकुआ धाम राम मो राम सरकार महाराज जी ने अपने मुखारविंद से जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी और संकुआ धाम पर आने के लिए उनको आमंत्रित किया कार्यक्रम में उपस्थित जन श्यामू ठाकुर संदीप रावत सुनील राठौर राहुल चौरसिया कुन्नू खरे सुनील गुप्ता हरि शरण महाराज आदि उपस्थित रहे।

महेंद्र मुणोत ने विजेता प्रतिभागियो को किया पुरस्कृत

पुष्पांजली टुडे

बेंगलुरू – दिनांक 20 जुलाई बुधवार को दर्शन सोशल एंड कल्चरल अकादमी द्वारा हंपी नगर स्थित ग्रंथालय मैं सांस्कृतिक कार्यक्रम समारोह में विजेता प्रतिभागियों को मारूति मेडिकल के प्रमुख महेंद्र मुणोत ने प्रतिभागियो को पुरस्कृत कर धन्यवाद दिया ।

पत्रकारों के कामरेड का निधन जिला प्रेस क्लब के तत्वाधान में श्रद्धांजली सभा का आयोजन कर वरिष्ठ पत्रकार श्री तोमर को श्रद्धांजली अर्पित की

ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

सीहोर। शहर के पावर हाउस चौराहे के समीपस्थ गोहिया निवास पर जिला प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री राकेश राय की अध्यक्षता में श्रद्धांजली सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर भारतीय पत्रकार संघ के राष्ट्रीय सचिव एवं जिला प्रेस क्लब के सचिव श्री रघुवर दयाल गोहिया ने बताया कि स्व. श्री गोबिंद तोमर सीहोर के ही निवासी थे। वह मूलतः अंग्रेजी भाषा के पत्रकार थे और प्रसिध्द समाजवादी नेता स्व. डॉ. राम मनोहर लोहिया के बेहद करीबी थे। प्रदेश की राजधानी भोपाल को अपनी कर्म भूमि बनाने वाले वरिष्ठ पत्रकार श्री गोविन्द तोमर का अल्प बीमारी के चलते आकस्मिक निधन हो गया है। उन्होंने अपनी वसीयत में अपनी देहदान की बात कही थी। परिजनों ने उनकी अंतिम इच्छा को पूरा किया। इस मौके पर जिला प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री राकेश राय ने कहा कि देश की आजादी के तुरंत बाद स्वर्गीय श्री तोमर ने पत्रकारिता की शुरूआत कर दी थी। मूल्य आधारित पत्रकारिता करने वाले श्री तोमर ने आजीवन अविवाहित रह कर जनसेवा की। हमें उनके बताए गए रास्ते पर चलकर पत्रकारिता करना होगी। इस मौके पर उपस्थित पत्रकारों ने दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजली अर्पित की। श्रद्धांजली अर्पित करने वालों में वरिष्ठ पत्रकार एआर शेख मुंशी, पत्रकार धर्मेन्द्र यादव, गोविन्द शर्मा, पवन अरोरा, जितेंद्र कुलश्रेष्ठ, रईस भाई सहित अन्य मौजूद थे।

निकाय चुनाव के नतीजे घोषित

मोनू बाथम पुष्पांजली टुडे

गोहद –नगरीय निकाय चुनाव में गोहद के 18 वार्डों में पार्षदों के चुनाव के लिए कुल 123 प्रत्याशी मैदान में थे जिनमें 13 जुलाई को हुए मतदान की आज हुई मतगणना में 5 पार्षद कांग्रेस तीन भाजपा एक आम आदमी पार्टी एवं नौ निर्दलीय पार्षदों ने जीत हासिल की सुबह 9 बजे महर्षि अरविंद महाविद्यालय में मतगणना शुरू हुई जहां लगभग 12 बजे अधिकांश परिणाम घोषित हो गए सभी चुने गए पार्षदों को 3 बजे एसडीएम एवं रिटर्निंग अधिकारी शुभम शर्मा द्वारा प्रमाण पत्र दिए गए नगर परिषद में जीते हुये पार्षद प्रत्याशियों की सूची इस प्रकार है

वार्ड नम्बर 1- सुषमा पुत्री आतमदास निर्दलीय विजई

वार्ड 2-गीता बहादुर गुर्जर निर्दलीय विजई

वार्ड 3-पुष्पा रविन्द्र पिंकी सगर भाजपा विजई

वार्ड 4-मंजू जगदीश माहोर निर्दलीय विजई

वार्ड 5 लाखन सिंह गुर्जर निर्दलीय विजई

वार्ड 6-दिनेश शुक्ला कांग्रेस विजई

वार्ड7-रजिया अकरम कांग्रेस विजई

वार्ड8-जयदेवी रामकिशोर प्रजापति (आप) विजई

वार्ड9- सुनील कांकर निर्दलीय विजई

वार्ड10-मीना पप्पन खां निर्दलीय विजई

वार्ड11- जरीना साबू खान कांग्रेस विजई

वार्ड12 -बृजेन्द्र यादव कांग्रेस विजई

वार्ड 13-शैलेन्द्र गुर्जर कांग्रेस विजई

वार्ड14-राघवेन्द्र भार्गव निर्दलीय विजई

वार्ड 15- मनीष मांझी निर्दलीय विजई

वार्ड 16 राजावेटी निर्दलीय विजई

वार्ड 17-मंजू प्रमोद तोमर भाजपा विजई

वार्ड 18-विनीता मुन्नेश तोमर विजई

नोट-गोहद नगर पालिका पार्षद पद पर भाजपा से तीन पार्षद, कांग्रेस से पांच पार्षद,आम आदमी पार्टी से एक पार्षद एवं निर्दलीय नौ पार्षदों ने जीत हासिल की

छत्रसाल महाविद्यालय में हुआ वृक्षारोपण संपन्न

पुष्पांजली टुडे

शिवपुरी। शासकीय छत्रसाल महाविद्यालय पिछोर जिला शिवपुरी में महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई तछा परिसर सौंदर्यीकरण समिति के द्वारा तथा विश्व बैंक परियोजना मध्य प्रदेश शासन के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्य संपन्न हुआ। वृक्षारोपण कार्य महाविद्यालय के नवीन भवन के परिसर में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एसएस गौतम के द्वारा प्रारम्भ किया गया इसके साथ ही महाविद्यालय के संपूर्ण शैक्षणिक स्टाफ एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ ने नए छायादार वृक्ष लगाकर संपूर्ण परिसर में वृक्षारोपण कार्य किया जिसमें अशोक के वृक्ष, पाम के चंपा के , तथा गुलाब के पौधे रोपे गए। इस अवसर पर डॉ केशव सिंह जाटव,डॉक्टर अक्षय कुमार जैन, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ कमल किशोर यादव ,डॉक्टर करण सिंह जाटव, अंजू सिहारे, डॉक्टर शैलेंद्र पाठक, डॉक्टर भावना भटनागर, डॉक्टर बबीता बाथम,प्रो. नरसिंह भिड़े, श्रीमती दीक्षा ताम्रकार, श्री राजेंद्र हिमौरिया श्री बाबूलाल कुम्हारे डॉ गिरीश नीखरा श्री शिवतीर्थ चतुर्वेदी श्रीमती कविता पाराशर, डॉ आशुतोष श्रीवास्तव श्री महेश अहिरवार के साथ-साथ महाविद्यालय के कार्यालयीन स्टॉप एवं कर्मचारी गणों ने वृक्षारोपण कर संपूर्ण परिसर को हरा-भरा करने का संकल्प लिया। एनएसएसके स्ववंसेवकों ने परिसर में पौधारोपण के कार्य को सम्पन्न किया तथा संपूर्ण स्टाफ का वृक्षारोपण कार्य में सहयोग किया इस अवसर पर एनएसएस के दल नायक दीपक पाल का विशेष योगदान रहा।

छात्र दीपक पाल का हुआ युवा महापंचायत भोपाल के लिए चयन शासकीय कन्या महाविद्यालय

पुष्पांजली टुडे

शिवपुरी में सोमवार को यूथ महापंचायत कार्यक्रम का आयोजित किया गया जिस में कार्यक्रम समन्वयक डॉ एस एस खंडेलवाल जिला संगठक राष्ट्रीय सेवा योजना, नेहरू युवा केंद्र जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी पीआरओ जनसंपर्क विभाग और जिला समन्वयक मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद शिवपुरी थे त्रिस्तरीय युवा महापंचायत का आयोजन स्वतंत्रता संग्राम के युवा अग्रदूत चंद्रशेखर आजाद की 116वी जन्म जयंती के अवसर पर किया गया प्रथम चरण 16 जुलाई को 5 स्क्रीनिंग सेंटर पर स्क्रीनिंग से चयन हुए जिसमें छत्रसाल महाविद्यालय पिछोर से छात्र दीपक पाल का चयन जिला स्तरीय महापंचायत में किया गया जिसमें भागीदारी 18 जुलाई को शासकीय कन्या महाविद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय यूथ महापंचायत आयोजत हुई जिस में शिवपुरी जिले से 8 छात्र छात्राओं का चयन होकर भोपाल महापंचायत में समल्लित होंगे भोपाल में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय युवा महापंचायत में शिवपुरी जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे इनके चयन होने पर महाविद्यालय एवं परिवारजनों में हर्ष एवं उत्साह रहा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एस एस गौतम एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ कमल किशोर यादव सहित महाविद्यालय के समस्त स्टाफ ने बधाई व शुभकामनाएं

कीमत पहुंची 2100 रुपए प्रति क्विंटल के पार, मंडियों में गेहूं के दाम में 200 रुपए का उछाल

गेहूं की बढ़ने लगी कीमत महंगा मिलेगा आटा

भोपाल। देश में गेहूं के निर्यात पर रोक लगने के दो माह बाद एक बार फिर गेहूं के दाम में उछाल आया है। वही आटा, दही सहित कई खाद्य समग्रियों पर जीएसटी लगने से दाम और ज्यादा चुकाने होंगे। हालांकि किसानों को गेहूं बिक्री पर पहले की अपेक्षा 200-250 रुपए प्रति क्विंटल अधिक दाम मिल रहे हैं। इसके चलते मंडियों में गेहूं की आवक भी बढ़ गई है। केंद्र सरकार ने 13 मई को भारत से निर्यात होने वाले गेहूं पर एकाएक रोक लगा दी थी। इसके चलते गेहूं के दाम 1800-1950 रुपए पर पहुंच गए थे। जबकि इसके पहले गेहूं समर्थन मूल्य पर 2015 रुपए से अधिक 2100 रुपए से ऊपर बिक रहा था।

मार्च अप्रेल और 15 मई तक किसानों का गेहूं प्रदेश सरकार के समर्थन मूल्य के ऊपर बिक रहा था। इसके चलते जिले में लक्ष्य के मुताबिक 50 फीसदी ही सरकारी खरीदी हो पाई थी।

5 हजार एमटी से अधिक की आवक

अप्रेल-मई के बाद अब जुलाई में कृषि उपज मंडियों में गेहूं की आवक एकाएक बढ़ गई है। 10 जुलाई के बाद से देखा जाए तो शायद ही मंडियों में खरीदी का आंकड़ा 5 हजार मीट्रिक टन से कम देखने को मिले। जिला मुख्यालय के अलावा काफी संख्या में किसान अपने गेहूं की फसल लेकर कृषि उपज मंडियों में पहुंच रहे हैं।

एफसीआई के नहीं हुए टेंडर

गल्ला कारोबारियों की मानें तो अचानक से गेहूं में उछाल की वजह गेहूं की शार्टेज भी है, क्योंकि काफी मात्रा में गेहूं निर्यात हो चुका है। वहीं अभी भारतीय खाद्य निगम के टेंडर भी नहीं हुएए जिससे व्यापारी अपने मांग की पूर्ति कर सके। जबकि एफसीआई अपना गेहूं ओपन मार्केट में व्यापारियों को बेचने के लिए जुलाई महीने में टेंडर की प्रक्रिया पूरी करवा देती थी। अब गल्ला कारोबारियों को डर सता रहा है कि आगे अगर गेहूं नही मिला तो फ्लोर मिल और बाहर गेहूं की खेप कैसे भेजेगे।

निकाय चुनाव के माध्यम से मप्र में आप और एआईएमआईएम की जोरदार एंट्री

अब विधानसभा चुनाव में चुनौती बनेगी आप

निकाय चुनाव में आप का 1 मेयर, 17 पार्षद जीते, 35 रनरअप, ग्वालियर-उज्जैन में बिगाड़ा खेल

भोपाल। नगरीय निकाय चुनाव में जोरदार एंट्री के बाद आप और एआईएमआईएम ने संकेत दे दिया है कि विधानसभा चुनाव में भी ये पार्टियों भाजपा और कांग्रेस का गणित बिगाड़ेंगी। दोनों पार्टियों ने पहले चरण की मतगणना में भाजपा-कांग्रेस के सियासी गणित बिगाड़ दिए, जीत के अंतर पर भी असर डाला। पहली बार में ही दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पार्टी आप का एक मेयर बना, तो 17 पार्षद भी जीते। ग्वालियर में मेयर प्रत्याशी तीसरे नंबर पर रहीं।

एआईएमआईएम के 4 पार्षद जीते, तो 8 दूसरे नंबर पर रहे। अब दोनों पार्टियों की नजर 2023 के विधानसभा चुनाव पर है। बुरहानपुर, ग्वालियर, उज्जैन में सियासी दांवों में उलटफेर देखने को मिला। तीनों परिणामों ने साफ कर दिया कि मैदान में आप और ओवैसी की पार्टी नहीं उतरी होतीं तो नतीजे बदल भी सकते थे।

बुरहानपुर, उज्जैन और ग्वालियर में बिगाड़ा खेल

आप और एआईएमआईएम की जोरदार एंट्री का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि बुरहानपुर, उज्जैन और ग्वालियर के महापौर की जीत-हार में इन दोनों पार्टियां का बड़ा खेल रहा है। बुरहानपुर में भाजपा-कांग्रेस के बीच 542 मतों का अंतर था, जबकि ओवैसी की पार्टी को यहां 10 हजार 322 वोट मिले। उज्जैन में भाजपा 736 मतों से जीती। यहां आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी संतोष वर्मा को 9300 वोट मिले। ग्वालियर में कांग्रेस की शोभा सिंह ने 28 हजार 805 वोटों से जीत दर्जकर 52 साल का सूखा समाप्त किया है। यहां आप प्रत्याशी रुचि गुप्ता तीसरे स्थान पर रहीं। उन्हें 45 हजार 762 मत मिले हैं।

आप के 1 मेयर और 17 पार्षद चुने गए

आम आदमी पार्टी को दिल्ली, पंजाब, गुजरात के बाद मध्यप्रदेश में बड़ी उम्मीद दिखने लगी है। पार्टी ने निकाय चुनाव के बहाने पूरे प्रदेश में अपने पार्षद और मेयर प्रत्याशी उतारे। पर दिल्ली के सीएम और पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल प्रदेश में प्रचार करने सिर्फ सिंगरौली पहुंचे थे। यहां की जनता ने भी उन्हें निराश नहीं किया। आप की पहली महापौर बनकर रानी अग्रवाल ने इतिहास रच दिया। यहां से पार्टी के 5 पार्षद भी जीते हैं। वहीं 7 पार्षद दूसरे स्थान पर रहे। प्रदेश की बात करें तो नौ जिलों में पार्टी ने खाता खोला है। उसके 17 पार्षद जीते हैं। वहीं 18 जिलों की 35 पार्षद सीटों पर वह दूसरे स्थान पर है।

नायब तहसीलदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट राजस्व विभाग एवं भू अभिलेख विभाग सुश्री ज्योति लक्षकार की कार्यकारिणी सराहनीय है

राकेश परिहार ,पुष्पांजली टुडे

पिछोर,नायब तहसीलदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट राजस्व विभाग एवं भू अभिलेख विभाग पद पर कार्यरत सुश्री ज्योति लक्षकार पिछोर क्षेत्र में सराहनीय है उनके द्वारा अपनी कार्यकारिणी में एक बेहतरीन कार्य किया जा रहा है जो उनके लिए सराहनीय बन चुका है पिछोर तहसील में एक ईमानदार अफसर एवं जनता के हित की सोचने वाली सुश्री ज्योति लक्षकार जी है जिनकी कार्यकारिणी से पिछोर क्षेत्र के नगर वासी एवं ग्रामीण क्षेत्र के सभी लोग सराहनीय भूमिका की मिसाल देते हैं पिछोर क्षेत्र में लोगों की समस्याएं सुनना व तुरंत उन समस्याओं का निदान करना उनका पहला कर्तव्य सा बन चुका है जिससे पिछोर तहसील क्षेत्र के समस्त ग्रामीण लोग एवं नगर परिषद पिछोर के समस्त उनकी कार्यकारिणी से बेहद खुश हैं

पदोन्नति में आरक्षण पर सुनवाई अब 17 को

कर्मचारियों के आंकड़ों से लेकर सभी मुद्दों पर होगी बहस

भोपाल। पदोन्नति में आरक्षण मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई अब 17 अगस्त को होगी। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार द्वारा कोर्ट में पेश किए गए अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति वर्ग के कर्मचारियों के आंकड़ों से लेकर सभी मुद्दों पर बहस होगी। वहीं %सामान्य, पिछड़ा, अल्पसंख्यक कल्याण संस्था (स्पीक)÷ ने कोर्ट की अवमानना मामले में भी सुनवाई का आवेदन लगाया है। दरअसल, केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण मंत्रालय (डीओपीटी) ने पदोन्नति पर रोक के बावजूद कुछ अधिकारियों को पदो-?नत कर दिया था। मामले में विभाग के सचिव के खिलाफ याचिका दायर की गई है। संस्था के अध्यक्ष केएस तोमर ने बताया कि अवमानना मामले में कोर्ट से सुनवाई करने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने बताया कि कोर्ट ने पदोन्नति में आरक्षण मामले की सुनवाई 17 अगस्त को तय की है। इसमें सभी पहलुओं पर बहस होगी। मध्य प्रदेश में पिछले छह साल से पदोन्नति पर रोक है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने 30 अप्रैल 2016 को मप्र लोक सेवा (पदोन्नति) नियम 2002÷ खारिज कर दिया है। इस फैसले के खिलाफ राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने मई 2016 में यथास्थिति (स्टेटस-को) रखने के निर्देश दिए हैं। तब से प्रदेश में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की पदोन्नि पर रोक लगी है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने पदोन्नति में आरक्षण मामले में मुद्दे तय कर दिए हैं। इन्हीं को आधार बनाकर केंद्र और राज्यों के संदर्भ में फैसला आना है। मध्य प्रदेश के प्रकरण में राज्य सरकार ने भी अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग के कर्मचारियों का आंकड़ा प्रस्तुत कर दिया है।

प्रदेश में तीन अगस्त के बाद प्रशासनिक सर्जरी

तीन साल का समय पूरा कर रहे अधिकारियों पर निगाहें

भोपाल। राज्य में इस बार की प्रशासनिक जमावट में मुख्यमंत्री सचिवालय में लम्बे अरसे बाद प्रमुख सचिव स्तर के दो अधिकारी पदस्थ किये जाएंगे। आसार है कि 3 अगस्त के बाद बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की जाएगी, जिसमें मंत्रालय और विभागाध्यक्ष स्तर पर बड़े फेरबदल किए जाएंगे। जिसमें करीब दर्जन भर पीएस स्तर के अधिकारी प्रभावित होंगे। वहीं जिलों में मैदानी पोस्टिंग वाले उन अफसरों का हटना तय है, जहां भाजपा का बेड़ा गर्क हुआ है, जबकि तीन साल का समय पूरा कर रहे कलेक्टर-एसपी हटाए जाएंगे। यह पूरी जमावट वर्ष 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए की जाएगी। यह तय है कि मंत्रियों को विभाग में परफॉरमेंस का पूरा मौका मिलेगा, वहीं पुलिस मुख्यालय में पदस्थ पांच से छह एडीजी स्तर के अधिकारियों के विभाग बदले जायेंगे,जबकि करीब आठ जिलों के एसपी बदले जाएंगे।

विधानसभा का सत्र अब 13 से 17 सितंबर तक

भोपाल। विधानसभा का सत्र अब 13 से 17 सितंबर तक होगा। राज्यपाल ने सत्र की तारीख में परिवर्तन के प्रस्ताव को अनुमति दे दी है। पूर्व में विधानसभा का सत्र 25 जुलाई से प्रस्तावित था।

राज्य सरकार के सत्र की तारीख में परिवर्तन के प्रस्ताव को राज्यपाल मंगु भाई पटेल ने अब अनुमति दे दी है। मप्र विधानसभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह ने पुनरीक्षित अधिसूचना मंगलवार को जारी कर दी। सत्र पांच दिवसीय ही रहेगा। इस बार शनिवार को भी सदन की कार्यवाही होगी। सरकार के प्रस्ताव पर राज्यपाल ने मानसून सत्र की तारीख पुनरीक्षित करने करने की अनुमति दी है।

सागर में अग्निवीर सेना भर्ती रैली 7 से 16 अक्टूबर तक

सागर। सागर जिले में अग्निवीर सेना भर्ती रैली का आयोजन 7 से 16 अक्टूबर तक किया जायेगा। रैली शासकीय इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग कालेज के परिसर में आयोजित की जायेगी।

10 दिवसीय भर्ती रैली में 14 जिलों सागर, छतरपुर, दमोह, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, षिवपुरी, दतिया, अशोकनगर, श्योपुर, गुना, मुरैना, भिण्ड और ग्वालियर, के लगभग 70 से 80 हजार युवा भाग लेंगे।

प्रत्येक जिले के लिये अलग-अलग दिन निर्धारित रहेंगे। सेना से भर्ती के लिये 150 अधिकारी एवं कर्मचारी आ रहे हैं। सेना के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के रहने आदि की व्यवस्थायें की जाना है।

मध्य प्रदेश पर्यटन विश्व पटल पर बनेगा अग्रणी: उषा ठाकुर

भोपाल। 'मध्यप्रदेश पर्यटन विश्व पटल पर अग्रणी बनेगा। इसके लिए सभी के सांझे प्रयासों की आवश्यकता है।' यह कहना है पर्यटन, संस्कृति और अध्यात्म मंत्री उषा ठाकुर का। वे मंगलवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में ट्रेवल ट्रेड मीट को संबोधित कर रही थीं। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा प्रदेश के ट्रेवल एजेंट्स, टूर आपरेटर्स, होटल संचालकों को पर्यटन गंतव्यों के प्रति जागरूक करने, आगामी आयोजनों व ट्रेवल एग्जीबिशन में सहभागिता की जानकारी देने मीट आयोजित की गई थी। यहां उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर आध्यात्मिक पर्यटन को तेजी से बढ़ावा देना होगा। पुरातन नदी मां नर्मदा, उज्जैन व ओंकारेश्वर में दो ज्योतिर्लिंग, राह गृह का जन्मस्थान कुक्षी जैसे कई पवित्र और यूनिक स्थान प्रदेश में हैं।

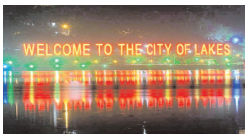

हिंदी भवन में पुस्तक उत्सव और जनजातीय संग्रहालय चित्र प्रदर्शनी

भोपाल। कोरोना की तीसरी लहर का प्रकोप थमने के बाद शहर में सांस्कृतिक, धार्मिक, सामाजिक कार्यक्रम पहले की तरह हो रहे हैं। हालांकि शहर में बीते कुछ दिनों से कोरोना संक्रमण के मामले फिर से बढ़ने लगे हैं। ऐसे में बेहतर यही है कि कोरोना के प्रति लापरवाही का आलम छोड़ते हुए सभी लोग हरदम सतर्क रहें। आप घर से बाहर निकलते समय मास्क का उपयोग अवश्य करें और सार्वजनिक जगहों पर शारीरिक दूरी के नियम का पालन करते हुए स्वयं भी सुरक्षित रहें और दूसरों को भी सुरक्षित रखें। बुधवार 20 जुलाई को शहर में कई ऐसे आयोजन हैं, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।

बालाघाट मुठभेड़ में नक्सली घायल, गांव में कराया इलाज

हॉक फोर्स ने पता की लोकेशन

भोपाल। बालाघाट में पंचायत चुनाव में सर्चिंग के दौरान हॉक फोर्स की नक्सलियों के साथ मुठभेड़ के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है. पुलिस पार्टी नक्सलियों के करीब पहुंच चुकी थी. मुठभेड़ में नक्सली घायल हो गए थे और उन्होंने गांव में जाकर अपना इलाज कराया था. साथ ही उनके लोकेशन का भी पता चल गया है. ऐसे में पुख्ता इनपुट मिलने के बाद छत्तीसगढ़ से लगी सीमावर्ती इलाकों में सर्चिंग बढ़ा दी गई है. सूत्रों ने दावा किया है कि जल्द ही एमपी पुलिस नक्सलियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर सकती है।

मुठभेड़ में नक्सली घायल

मध्य प्रदेश में हाल ही में हुए पंचायत चुनाव के दौरान नक्सल प्रभावित इलाके में शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराने के लिए ऑफ हॉक फोर्स और स्थानीय पुलिस की टीम लगातार सर्चिंग अभियान चला रही थी. इसी अभियान के तहत लांजी क्षेत्र में देवरबेली पुलिस चौकी अंतर्गत केराडेही के जंगल में हॉकफोर्स की नक्सलियों से मुठभेड़ हुई थी. मुठभेड़ में दोनों तरफ से जमकर फायरिंग हुई थी. उसमें कई नक्सली घायल हुए थे, लेकिन पुलिस की आंख में धूल झोंक कर सभी 12 नक्सली घने जंगल में भाग निकले।

बड़े एक्शन की तैयारी

मुठभेड़ के बाद से लगातार पुलिस पार्टी नक्सलियों की तलाश कर रही है. सर्चिंग में पुलिस के हाथ बड़ा इनपुट लगा है. इस रिपोर्ट के आधार पर हॉक फोर्स और स्थानीय पुलिस नक्सलियों के ठिकानों के करीब पहुंच चुकी है. सूत्रों ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान कुछ नक्सली घायल हुए थे, जिन्होंने ग्रामीण क्षेत्र में जाकर अपना इलाज भी कराया था. इसकी जानकारी भी पुलिस के पास आ गई है. नक्सली छत्तीसगढ़ सीमा से लगे इलाकों में छुपे हैं. उनकी लोकेशन भी पुलिस को मिली है. नक्सल अभियान में लगे अधिकारियों ने दावा किया है कि जल्द ही इस मामले में पुलिस फोर्स फरार नक्सलियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर सकती है.

पिछले कुछ साल में नक्सली हिंसा

2021 में 19 नक्सली हिंसा के मामले सामने आए. इसमें 3 लोगों की मौत हुई. 2020 में 16 घटनाओं में दो और 2019 में 5 नक्सली हिंसा की घटनाओं में 2 लोगों की मौत हुई। लगातार नक्सलियों के बढ़ते मूवमेंट की वजह से एमपी पुलिस ने केंद्र से सीआरपीएफ की अतिरिक्त कंपनियां भी मांगी हैं. मध्य प्रदेश में लगातार नक्सलियों का मूवमेंट बढ़ता जा रहा है. सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। ऐसे में हाल ही में मिला इनपुट नक्सलियों के खिलाफ किसी बड़ी कार्रवाई की तरफ इशारा कर रहा है।

कोरोना और चुनाव ने हजारों युवक-युवतियों के रोके विवाह

मुख्यमंत्री विवाह योजना से वंचित रह गईं मामा की भानजियां

प्रदेशभर में 50 हजार युवक-युवतियों को मिलता था योजना का लाभ

भोपाल। मुख्यमंत्री कन्या एवं विवाह योजना का लाभ लेने के लिए पात्र हितग्राहियों का इंतजार खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। कोरोना के चलते दो साल से जहां सामूहिक विवाह आयोजित नहीं हो पाए, वहीं चुनाव ने भी कसर नहीं छोड़ी और ये साल भी इंतजार में गुजर गया।

प्रदेशभर में हर साल 50 हजार युवक-युवतियों को मिलने वाला लाभ कोरोना और चुनाव की प्रक्रिया ने छीन लिया। सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग को सौंपी गई यह जिम्मेदारी इस बार भी ठंडे बस्ते में नजर आई। भोपाल जिले में हर साल विभाग द्वारा लगभग 1500 युवक-युवतियों को इस योजना का लाभ दिलाया जाता रहा है, जिसके लिए विभाग 4 से 5 सामूहिक विवाह आयोजित करता है, लेकिन इस साल एक भी विवाह समारोह आयोजित नहीं हुआ और अब कोई भी मुहूर्त नहीं होने के कारण हितग्राहियों को 4 नवम्बर तक का इंतजार करना होगा। सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग से मिली जानकारी के अनुसार हर विवाहित जोड़े को कन्यादान योजना का लाभ दिलाते हुए सरकार की तरफ से 51 हजार रुपए की राशि, सामान और नकद के रूप में दी जाती है।

सितम्बर में पढ़े जाएंगे निकाह

हिन्दू धर्म पद्धति से आयोजित होने वाले विवाह के लिए 4 नवम्बर के बाद विभाग आयोजन की तैयारी कर रहा है, वहीं मुस्लिम पद्धति के निकाह सितम्बर में आयोजित होंगे। विभाग के अधिकारी तिर्की बेग के अनुसार सितम्बर में मुस्लिम समुदाय की लड़कियों के लिए आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं, जिसके लिए घरेलू वस्तुओं के सामान की खरीदारी के लिए ई निविदाएं आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया है, जो कि एक महीने में पूर्ण कर ली जाएगी और इस वर्ष के अंत तक विभाग 2 हजार से अधिक पात्र लड़कियों को योजना का लाभ दिलाएंगे।

मुख्यमंत्री ने 55 हजार की राशि

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत दुल्हन को 51 हजार रुपए की राशि उपलब्ध कराई जाती थी, जिसे मुख्यमंत्री ने भोपाल में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में 55 हजार रुपए कर दिया था, जिसमें लाभार्थी को 11 हजार रुपए नकद, 38 हजार के घरेलू सामान और 6 हजार रुपए आयोजक का खर्च शामिल किया गया था।

10वीं की परीक्षा में करना होगा तीन भाषाओं का चयन

भोपाल। शिक्षण सत्र 2022-23 की 10वीं परीक्षा के लिए विद्यार्थी को निर्धारित भाषा विषयों में से कोई भी तीन भाषा विषयों का चयन करना होगा। इस आशय के निर्देश माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) मप्र द्वारा जारी कर दिए गए है। नेशनल स्किल क्वालीफिकेशन फेमवर्क (एनएसक्यूएफ) विषय का चयन करने वाले विद्यार्थियों को निर्धारित भाषा विषयों में से कोई दो भाषा विषयों का चयन करना होगा। अब विद्यार्थी अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत जैसे विषयों में किन्हीं दो का चयन कर एनएसक्यूएफ का कोई एक विषय ले सकते है। इस संबंध माशिमं ने निर्देश जारी कर दिए गए हैं। माध्यमिक शिक्षा मंडल मप्र द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थाओं में नियमित प्रवेश के लिए प्रवेश संबंधी मार्गदर्शिका पुस्तिका जारी की गई है। मंडल की दसवीं परीक्षा में छह विषय होते है। इसमें हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, सामाजिक विज्ञान, गणित व विज्ञान शामिल है। साथ ही एनएसक्यूएफ के विषय भी रहेंगे।

ग्वालियर-चंबल संभाग में निर्मित अमृत तालाबों की जाँच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें

अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

ग्वालियर। ग्वालियर-चंबल संभाग में पंचायतों के माध्यम से निर्मित अमृत तालाबों की जांच कृषि विभाग, जल संसाधन विभाग एवं आरईएस विभाग के माध्यम से कराई जाए। संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने बुधवार को संभाग स्तर की अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में यह निर्देश दिए हैं।

संभागीय आयुक्त श्री सक्सेना ने कहा कि दोनों संभाग में स्वीकृत अमृत तालाबों की तीनों विभाग अपने - अपने स्तर पर जांच कर सात दिन में अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। जांच में स्वीकृत तालाबों की गुणवत्ता, पूर्ण, अपूर्ण तथा जल उपयोगिता समितियों का गठन की वस्तुस्थिति के संबंध में प्रतिवेदन चाहा गया है। उन्होंने यह भी कहा कि तीनों विभाग शतप्रतिशत तालाबों का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

संभागीय आयुक्त श्री सक्सेना ने बैठक में कहा कि ग्वालियर - चंबल संभाग में शतप्रतिशत होस्टलों में बच्चों का सांस्कृतिक दल तथा स्काउट गाइड का दल गठित किया जाए। 15 अगस्त तक सभी होस्टलों में दोनों दल गठित किया जाना सुनिश्चित करें। स्काउट गाइड के दल के माध्यम से वृक्षारोपण, स्वच्छता एवं अन्य कार्य हाथ में लिए जायें। इसके साथ ही सांस्कृतिक दल के माध्यम से शालाओं में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएँ। जनअभियान परिषद के माध्यम से भी अधिक से अधिक वृक्षारोपण का कार्य करने की बात कही गई।

सीएम हैल्पलाइन की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए गए कि सभी विभाग अपने-अपने स्तर पर लंबित प्रकरणों का निराकरण करें। संभागीय अधिकारी अपने-अपने विभाग में वीसी के माध्यम से लंबित प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा कर प्रकरणों का निराकरण तेजी से कराएँ।

संभागीय आयुक्त श्री सक्सेना ने 11 अगस्त से प्रारंभ हो रहे हर घर तिरंगा अभियान की भी समीक्षा की। उन्होंने ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिलों में अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए हैं।

संभागीय अधिकारियों की बैठक में यह भी कहा गया कि सभी विभाग ई-ऑफिस से जुड़ें ताकि फाइलों का तेजी से निराकरण हो सके।

संभागीय आयुक्त श्री सक्सेना ने बैठक में कहा है कि शासकीय अधिकारियों व कर्मचारियों के जो भी प्रकरण कार्यालय में लंबित हैं उनका प्राथमिकता से निराकरण करें।

नगर निगम ग्वालियर ने सीएम हेल्पलाइन की 83.5 प्रतिशत शिकायतों का किया निराकरण, मिला ए ग्रेड

ग्वालियर दिनांक 20 जुलाई 2022- सीएम हेल्पलाइन में नगर निगम ग्वालियर द्वारा जून 2022 माह में 5673 शिकायतों में से 83.07 प्रतिशत शिकायतों का निराकरण नागरिकों की संतुष्टता के साथ बंद कराया है। यह जानकारी नोडल ऑफिसर सीएम हेल्पलाइन डॉ प्रदीप श्रीवास्तव ने देते हुए बताया कि इसके लिए नगर निगम ग्वालियर की सभी अधिकारी कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल ने सभी अधिकारियों की सराहना करते हुए सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण गंभीरता से करने के निर्देश दिए।

ग्वालियर में नवनिर्वाचित पार्षदों की परिचय बैठक संपन्न

ग्वालियर। भारतीय जनता पार्टी हमारी मां है। जिस प्रकार हमारी अपनी मां के प्रति हमारा समर्पण एवं निष्ठा होती है उसी प्रकार भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में हमको अपना कार्य व्यवहार एवं आचारण दिखना चाहिए। भाजपा विष्व का सबसे बड़ा राजनैतिक दल है। पार्षद का चुनाव स्थानीय एवं व्यक्तिगत होता है, इस कारण एक वार्ड में एक से अधिक दावेदार होते हैं जो सभी भाजपा के निष्ठावान एवं समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। प्रत्याषी चयन के समय पार्टी का जो मापदंड होता है, उसका एक पैमाना होता है। कार्यकर्ता की पार्टी के प्रति प्रतिबद्धता क्या है, समाज के प्रति कितना समर्पण है, कार्यकर्ताओं के प्रति वैचारिक समन्वय का अभाव तो नहीं है आदि कारण होते हैं। इसके साथ ही हमको जातीय एवं क्षेत्रीय संतुलन को भी देखना पड़ता हैं। उक्त उद्गार सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने एक निजी होटल में आयोजित नवनिर्वाचित पार्षदों की परिचय बैठक में मुख्य अतिथि की आसंदी से व्यक्त किए।

इस अवसर मंच पर पूर्व सांसद एवं भाजपा महाराष्ट्र के सहप्रभारी श्री जयभान सिंह पवैया, जिलाध्यक्ष श्री कमल माखीजानी एवं बीज निगम के अध्यक्ष श्री मुन्नालाल गोयल उपस्थित थे।

बैठक का संचालन राजू सेंगर ने एवं आभार हरीष मेवाफरोष ने व्यक्त किया।

मंचासीन अतिथियों का स्वागत विनोद शर्मा ने किया। श्री शेजवलकर ने कहा कि भाजपा बड़ा राजनैतिक दल होने के कारण कार्यकर्ताओं में भी अपेक्षा होना स्वाभाविक है। राजनीति में भी प्रत्येक व्यक्ति को मनमाफिक दायित्व मिले इसके लिए प्रारब्ध, पराक्रम के साथ देवकृपा भी आवष्यकता होती है। हम मानव है, हमारी इच्छाएं अनेक होती है। हम राजनीतिक क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं, इस क्षेत्र में नए अनुभव हमको प्रतिदिन देखने को मिलते हैं। हमारे कार्यकर्ता, जनता जनार्दन के महानुभाव जैसी समस्याएं हमारे पास लेकर आते हैं इसका त्वरित निराकरण एवं समाधान हमारे पास नहीं होता है। हमारी इच्छा होती है कि हम इसकी मदद करना चाहते हैं पर हमारे हाथ बंधे होते हैं। चाहे केंद्र की सरकार हो या प्रदेष की राज्य सरकार हो या ग्वालियर की नगर निगम हो। हमारा अधिकार सीमित है। भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में पूरे अनुषासन में रहकर जनता जनार्दन की सेवा करने हेतु अपनी एक कार्ययोजना आप लोग बनाएं और इसके लिए आपको एक कैलेंडर बनाना चाहिए इसमें नगर निगम प्रषासन और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर एक अच्छे एवं कुषल जनसेवक की भूमिका तय करें।

इस अवसर मंच पर पूर्व सांसद एवं भाजपा महाराष्ट्र के सहप्रभारी श्री जयभान सिंह पवैया ने कहा कि नगर निगम के पार्षद का चुनाव विधानसभा और लोकसभा के चुनाव से सर्वाधिक कठिन चुनाव होता है।

नव निर्वाचित महापौर डॉ. श्रीमती शोभा सिकरवार पहुंची किला स्थित गुरुद्वारे पर

ग्वालियर। नव-निर्वाचित महापौर डॉ.श्रीमती शोभा सिकरवार ओर विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने आज किला स्थित दाता बंदी छोड़ गुरुद्वारा पर माथा टेका एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरुद्वारा कमेटी ने साफा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर आत्मीय स्वागत किया ।

स्वनिधि महोत्सव के तहत बाल भवन में हुए सांस्कृतिक आयोजन

ग्वालियर दिनांक 20 जुलाई 2022- ग्वालियर शहर के शहरी पथ विक्रेताओं एवं उनके परिवार के सदस्यों के साथ आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 'स्वनिधि महोत्सव' के अंतर्गत आज विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन पथ विक्रेताओं के साथ किया गया। जिसमें नृत्य, अंताक्षरी, चित्रकला, स्लोगन, मेंहदी एवं संगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

स्वनिधि महोत्सव के अंतर्गत आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के दौरान आज नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल एवं अपर आयुक्त श्री मुकुल गुप्ता तथा उपायुक्त सुश्री मिनी अग्रवाल ने उपस्थित रहकर प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया। इसके साथ ही पथ विक्रेताओं के परिवार के बच्चों ने नृत्य कर बाल भवन सभागार में बैठे दर्शकों का मन मोह लिया। इसके साथ ही बच्चों के बीच पर्यावरण को लेकर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। साथ ही अंताक्षरी, एवं बच्चों की चैयर रेस व महिलाओं की चैयर रेस का आयोजन किया गया। इसके साथ ही महिलाओं में मेंहदी कम्पटीशन का भी आयोजन किया गया। जिसमें नृत्य प्रतियोगिता में 17 बच्चों ने, ड्रोइंग में 25, अंताक्षरी में 45 व चैयर रेस में 21 बच्चों ने भाग लिया। इसके साथ ही 10 महिलाओं ने चैयर रेस व 14 महिलाओं व बच्चीयों ने मेंहदी प्रतियोगिता में भाग लिया।

इसके साथ ही रंगारंग कार्यक्रम का भव्य आयोजन 23 जुलाई 2022 को समय सायं 4 बजे से रात्रि 8 बजे तक किया जाएगा। जिसके अन्तर्गत शहरी पथ विक्रेताओं एवं उनके परिवार के सदस्यों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, विभिन्न प्रतियोगितायें, स्ट्रीट वेंडरो का फूड स्टॉल एवं स्व सहायता समूहों के उत्पाद प्रदर्शनी सह बिक्री, परिचय पत्र बोर्ड का वितरण सम्मान कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

मछली पालन के पट्टे के लिये आवेदन पत्र आमंत्रित

ग्वालियर। जिले की जनपद पंचायत डबरा के उदयपाड़ा सिंचाई जलाशय जल क्षेत्र 27.50 हैक्टेयर मछली पालन हेतु 10 वर्ष के लिये पट्टे पर प्रदान करने के लिये आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन पत्र 2 अगस्त 2022 तक जनपद पंचायत डबरा कार्यालय में प्रस्तुत किए जा सकते हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत डबरा से प्राप्त जानकारी के अनुसार जलाशय की पट्टा राशि 5 हजार 500 रूपए प्रति वर्ष निर्धारित की गई है। मध्यप्रदेश मत्स्य पालन की नीति व निर्देशानुसार मछुआ सहकारी समिति समूहों को प्राथमिकता क्रमानुसार पट्टा आवंटित किया जा सकेगा। निर्धारित तिथि के पश्चात आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। पट्टे के लिये आवेदन पत्र 2 अगस्त को शाम 6 बजे तक किए जा सकेंगे। पट्टा आवंटन पश्चात चयनित समिति / समूह को एक सप्ताह के अंदर पट्टा राशि जमा करना अनिवार्य होगा।

10वीं की परीक्षा के लिए विद्यार्थी कर सकेंगे तीन भाषा विषय का चयन

ग्वालियर। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा शिक्षण-सत्र 2022-23 की हाई स्कूल परीक्षा के लिए विद्यार्थी को निर्धारित भाषा विषयों में से कोई तीन विषय का चयन करना होगा। नेशनल स्किल क्वालीफिकेशन फ्रेमवर्क विषय का चयन करने वाले विद्यार्थियों को निर्धारित भाषा विषयों में से कोई दो भाषा विषय का चयन करना होगा। चिल्ड्रन विथ स्पेशल नीड के विद्यार्थी गणित अथवा विज्ञान के स्थान पर चित्रकला अथवा गायन वादन अथवा तबला पखावज अथवा कंप्यूटर विषय में से कोई एक विषय ले सकेंगे। साथ ही ऐसे परीक्षार्थियों को तीन भाषा विषय में से दो भाषा विषय में छूट प्रदान की गई है। ऐसे परीक्षार्थी किसी एक भाषा विषय का चयन कर सकेंगे। इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए गए हैं। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थाओं में नियमित प्रवेश के लिए प्रवेश संबंधी मार्गदर्शिका पुस्तिका भी जारी की गई है।

नवीन व्यवसायिक शिक्षा में ट्रेड/जॉब रोल में प्रवेश

ग्वालियर। नवीन व्यवसायिक शिक्षा अंतर्गत ट्रेड / जॉब रोल में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के संदर्भ में स्पष्ट किया गया है कि व्यवसायिक शिक्षा ट्रेड / जॉब रोल में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थी भाषाओं के चयन में हिंदी एवं संस्कृत /उर्दू / शेष अन्य भाषाओं के साथ व्यवसायिक शिक्षा ट्रेड / जॉब रोल चयन कर सकते हैं। इसी प्रकार अंग्रेजी एवं संस्कृत / उर्दू / शेष अन्य भाषाओं के साथ व्यवसायिक शिक्षा ट्रेड / जॉब रोल का चयन कर सकते हैं। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारी और संस्थान के प्राचार्यों को निर्देश जारी किए है।

'हर घर तिरंगा' अभियान 11 से 17 अगस्त तक

ग्वालियर। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने 11 से 17 अगस्त 2022 तक चलाए जाने वाले «हर घर तिरंगा» अभियान की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अभियान के लिये जिले की रणनीति तैयार की जाए। ग्वालियर जिले में 4 लाख झण्डे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए एडीएम श्री इच्छित गढ़पाले की अध्यक्षता में तथा ग्रामीण क्षेत्र में अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये सीईओ जिला पंचायत श्री आशीष तिवारी की अध्यक्षता में कोर कमेटी गठित करने का निर्णय लिया गया है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने कहा है कि «हर घर तिरंगा» अभियान का मूल उद्देश्य नागरिकों में देशभक्ति की भावना को जागृत करना है। यह अभियान केवल शासकीय अभियान नहीं बल्कि जन - जन का अभियान बने, ऐसे प्रयास किए जायेंगे । अभियान के तहत जिले के हर घर, हर व्यवसायिक प्रतिष्ठान, हर शासकीय एवं अशासकीय कार्यालयों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाए, इसकी व्यवस्था और प्रबंध के निर्देश अधिकारियों को कलेक्टर श्री सिंह ने दिए हैं। उन्होंने कहा कि अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये जन जागरूकता पर विशेष ध्यान दिया जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने यह भी निर्देश दिए कि झण्डों का निर्माण ग्रामीण क्षेत्र और नगर निगम ग्वालियर को छोड़कर शेष नगरीय निकायों के लिये ग्रामीण विकास के स्व-सहायता समूहों के माध्यम से कराया जाए। नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के लिये शहरी क्षेत्र में स्व-सहायता समूहों के माध्यम से झण्डों के निर्माण का कार्य कराएँ। कलेक्टर श्री सिंह ने यह भी कहा कि इस अभियान में अधिक से अधिक जन भागीदारी हो यह भी सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में हर पंचायत स्तर पर तथा शहरी क्षेत्र में 25 जोन कार्यालय, 25 थ्री आर मार्ट, विभिन्न मॉल तथा स्टेशनरी की दुकानों के माध्यम से आम जनों को झण्डा मुहैया कराने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने यह भी कहा है कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत झण्डा संहिता का पालन भी हो, यह सुनिश्चित किया जाएगा।

झण्डा संहिता

-भारत का राष्ट्रीय ध्वज जिसे तिरंगा भी कहते हैं, तीन रंग की क्षैतिज पट्टियों के बीच नीले रंग के अशोक चक्र द्वारा सुशोभित ध्वज है।

-राष्ट्रीय ध्वज खादी, कॉटन, रेशम या पॉलिस्टर से ही निर्मित हो। इसकी लंबाई एवं चौड़ाई का अनुपात 2 ः 3 होना चाहिए।

-राष्ट्रीय ध्वज इस तरह से लगाया जाना चाहिए कि केसरिया रंग सबसे ऊपर हो। बीच में श्वेत, नीचे हरा रंग होना चाहिए। सफेद पट्टी में अशोक चक्र अंकित होना चाहिए। जिसमें 24 तीलियाँ होनी चाहिए।

-राष्ट्रीय ध्वज को हाफ मास्ट (आधे डण्डे) पर नहीं फहराया जाना चाहिए।

-ध्वज पर कुछ भी लिखा या छपा नहीं होना चाहिए।

-फटा हुआ या क्षतिग्रस्त ध्वज नहीं फहराना चाहिए।

-किसी भी स्थिति में राष्ट्रीय ध्वज जमीन पर टच नहीं होना चाहिए।

-किसी भी दूसरे झंडे को राष्ट्रीय झंडे के समीप ऊँचा नहीं रख सकते, न लगा सकते हैं।

-राष्ट्रीय ध्वज को क्षतिग्रस्त होने, गंदा होने या अभियान समाप्ति उपरांत सार्वजनिक स्थल पर या ऐसे स्थान पर नहीं फेंका जाना चाहिए, जिससे ध्वज के सम्मान को ठेस पहुँचे।

-राष्ट्रीय ध्वज को हर घर तिरंगा अभियान की समाप्ति पर निजी तौर पर धोकर तथा तदुपरांत सहेजकर घर में ही सुरक्षित स्थान पर रखा जाना चाहिए।

यदि जन्म से संस्कार अच्छे हो तो हमारा मरण भी अच्छा होता है-मुनिश्री

मुनिश्री के चतुर्मास कार्यालय का किया गया उद्घाटन

ग्वालियर। जैसे संस्कार होंगे, वैसा ही हमारा संसार होगा।संस्कार से ही हम संस्कृति को प्राप्त कर सकते हैं। संस्कार ही एक ऐसी वस्तु है जो जन्म से लेकर मरण तक काम आती है। जन्म के समय संस्कार होते हैं तो मरण के समय भी होते हैं। यदि जन्म से हमारे संस्कार अच्छे हो तो हमारा मरण भी अच्छा होता है। मरण अच्छा श्रेष्ठ होने का अर्थ है कि अब हमारी यात्रा दैत्य की नहीं देवत्व की होगी। पुण्यात्मा परमात्मा की यात्रा होगी। यह विचार श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ने आज बुधवार को माधवगंज स्थित चातुर्मास स्थल अशियाना भवन में धर्मसभा को संबोधित करते हुए कही। मुनिश्री ने आगे कहा कि संस्कारों से ही हमारा संसार अनंत भी होता है, अर्थात संस्कार से हम संसार से तर सकते हैं। संस्कार से ही डूब भी सकते हैं। हमारे अच्छे संस्कार ही स्वर्ग और मोक्ष हैं तो हमारे बुरे संस्कार ही नर्क,निगोद हैं। यह संस्कार में कुछ तो मां के गर्भ से प्राप्त होते हैं। कुछ पूर्व जन्म के होते हैं और कुछ तो संगति के होते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनूमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478